शिवजयन्ति पर शिवध्वज फहराती दादी जानकी, बीके निर्वैर तथा बीके मुन्नी एवं अन्य

शिव आमंत्रण

RNI: RJHIN/ 2013/ 53539

आबू रोड के शांतिकुंज पार्क में शिवरात्रि मेले का उदघाटन करती दादी जानकी, जिला कलेक्टर तथा अन्य

वर्ष: 5, अंक:04 | RNI: RJHIN/ 2013/ 53539 | सशक्तिकरण एंव सामाजिक सेवाओं का दर्पण | हिन्दी (मासिक), - 2017 , अप्रैल, सिरोही, पृष्ठ: 6 , मूल्य : 7.50 रुपए

अपने आप से प्यार करें, खुशी पहचानें, स्वास्थ्य का ध्यान रखें। ...पेज - 2

परमात्मा की शक्ति ग्रहण करना हमारा अधिकार..। ...पेज - 3

ज्ञान का सिमरण करो तो मन शांत व शीतल हो ...पेज - 4

धर्म भले ही अलग हों, मगर परमात्मा सबका एक है। ...पेज - 5

लंदन में धूमधाम से मनी महाशिवरात्रि ...पेज - 6

एक शाम शिव पिता के नाम ...पेज - 6

अंतर्राष्ट्रीय योग उत्सव : योग उत्सव कार्यक्रम में केंद्रिय मंत्री वेंकया नायडू के उद्गार

दुनिया में एकता लाने का एकमात्र उपाय योग

शुभारंभ

दिल्ली के तालकटोरा स्टेडियम में अंतर्राष्ट्रीय योग उत्सव का उद्घाटन करते केन्द्रीय मंत्री वैंकैया नायडू व योगाचार्य तथा अन्य मौजूद अतिथि।

शिव आमंत्रण ■ नई दिल्ली

दुनिया मे एकता लाने के लिए एकमात्र उपाय योग है। योग आपको नैसर्गिक स्वास्थ्य प्रदान करता है और स्वास्थ्य है तो सब कुछ है। यह प्रतिपादन जहाज, ग्रामीण और शहर विकास मंत्री वैंकैय्या नायडू ने आयुष मंत्रालय द्वारा आयोजित योग उत्सव कार्यक्रम में किया।

देश और दुनिया में योग के प्रति जागृति के लिए योग पर लगातार कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है इसी क्रम में दिल्ली के तालकटोरा स्टेडियम में आयुष मंत्रालय व मोरारजी देसाई नेशनल इंस्टीटयूट ऑफ योगा के द्वारा अंतर्राष्ट्रीय योग उत्सव का आयोजन किया गया, जिसके शुभारंभ अवसर पर यूनियन मिनिस्टर वेंकैय्या नायडू, आयुष मंत्री श्रीपाद येसो नायक, योग गुरू बाबा रामदेव, पद्मश्री प्रोफेसर एच.आर. नागेन्द्र, परमार्थ निकेतन आश्रम के अध्यक्ष स्वामी चिदानंद सरस्वती, अहिंसा विश्व भारती के अध्यक्ष आचार्य डॉ. लोकेश मुनि, आनंद आश्रम से डॉ. आनंद बालयोगी, डॉ. एस.पी. मिश्रा, स्वामी दर्शक, डॉ. मनोज नाइक, ओम् शांति रिट्रीट सेंटर की निदेशिका बीके आशा समेत अनेक योग गुरूओं ने दीप जलाकर उदघाटन किया गया।

नैसर्गिक सौंदर्य देता है योग

वेंकैय्या नायडू ने कहा, योग हमे नैसर्गिक स्वास्थ्य प्रदान करता है और शरीर उसके लिए एक माध्यम है। स्वास्थ्य पूर्ण आरोग्य से हम स्वस्थ मन प्राप्त कर सकते है। हमारे पूर्वजों ने भी आरोग्य को संपत्ति कहा है। आरोग्य से ही हम भाग्यवान बन सकते है। अंत मे उन्होंने कहा भारतीय संस्कृति पूरे विश्व को एक सूत्र मे बांध रही है।

योग करो, मौज करो

ऋषिकेश के चिदानंद सरस्वती ने कहा, जिसे जो योग मंजूर है वह करे। अंत मे एक दिन सही योग क्या है यह जरूर समझ मे आयेगा। योग करो, रोज करो और मौज करो। योग के क्षेत्र मे हम शोध तो करे लेकिन प्रतिशोध ना करे।

योग से मिलती है खुशी

योगगुरू एच. आर. नागेन्द्र ने कहा, ब्रह्माकुमारीज ने करीबन 200 देशों मे योग की विधि पहुंचाई है। योग से शरीर, मन, बुद्धि, भावना सब नियंत्रण मे आता है, योग खुशी प्राप्त कराता है। असीम ज्ञान और असीम स्वातंत्र्य प्राप्त कराता है। लेकिन अभी आवश्यकता है योग करनेवाले सब लोगों को एक मंच पर लाने की। भारत माता को विश्वगुरू बनाने के लिए, उंची स्टेज पर लाने के लिए यह जरूरी है।

सर्व लाभकारी है योग

योगगुरू रामदेव बाबा ने कहा, गीता की परिभाषा मे योग: कर्मेशु कौशलम् है। योग गुरू अरविंद की भाषा मे पूरा जीवन ही योग है। योग एक वैज्ञानिक, सार्वभौमिक, धर्मनिरपेक्ष और सर्वलाभकारी सत्य है।

योग है जीने का तरीका

गुरूग्राम के ओम् शांति रिट्रीट सेंटर की निदेशिका बीके आशा ने बताया कि योगा कोई एक दिन करने की चीज नहीं है, योगा तो जीवन जीने का तरीका है।

विश्व में बड़ी किताब का प्रकाशन

वंडर बुक ऑफ रिकॉर्ड में दर्ज

20 फीट ऊंची व 30 फीट चौड़ी किताब

20 फुट उंची और 30 फुट चौड़ी विशाल किताब का प्रकाशन करते सांसद संभाजी राजे।

शिव आमंत्रण ■ जयसिंहपुर

महाराष्ट्र जयसिंहपुर में सेवाकेंद्र का द्विदशक महोत्सव और शहर के शताब्दी वर्ष के निमित्त छत्रपती शाहू महाराज द्वारा स्थापित शहर के ऐतिहासिक कार्य का वर्णन करने वाली २० फुट उंची और ३० फुट चौड़ी विशाल किताब का प्रकाशन सांसद संभाजी राजे ने अपने हस्तों से वंडर बुक ऑफ रिकॉर्ड्स इंटरनेशनल लंदन की भारतीय कॉर्डिनेटर डॉ. स्वर्णश्री गुर्रम, विधायक उल्हास पाटिल, नगर निगम की अध्यक्षा डॉ. निता माने, उपाध्यक्ष संजय पाटिल, बीके दीपक हरके, सांगली सेवाकेंद्र प्रभारी बीके सुनिता, सेवाकेंद्र प्रभारी बीके रानी की उपस्थिति में किया, जिसे वंडर बुक ऑफ रिकॉर्ड्स इंटरनेशनल लंदन में दर्ज किया गया और डॉ. स्वर्णश्री गुर्रम ने बीके रानी और बीके सुनिता को प्रमाण पत्र व शील्ड देकर सम्मानित किया। इस द्विशक महोत्सव में उल्हास पाटिल ने कहा कि ब्रह्माकुमारीज़ द्वारा शहर के इतिहास का वर्णन करने वाली किताब का प्रकाशन कर विश्व में शांति की स्थापना में जो कार्य किया है वह सराहनीय है, साथ ही अन्य अतिथियों ने भी अपनी शुभकामनाएं व्यक्त की।

अभिनेत्री अमृता राव का रुझान अब आध्यात्मिकता की ओर

कच्छ की बीके बहनों से सौगात लेते हुए फिल्म अभिनेत्री अमृता राव।

शिव आमंत्रण ■ कच्छ

बॉलीवुड में अपने अभिनय का जलवा बिखेरने वाली फिल्म अभिनेत्री अमृता राव का रुझान अब आध्यात्मिकता की ओर होने लगा है। इसका ताजा उदाहरण अमृता राव के गुजरात के कच्छ भुज में देखने को मिला। आयी तो थी वे निजी समारोह में परन्तु आध्यात्मिकता की ललक उन्हें बिदड़ा सेवाकेंद्र पर खींच लायी। सेवाकेन्द्र प्रभारी बीके जाग्रति, बीके लीना ने उनका स्वागत किया। सेवाकेन्द्रों की बहनों ने परमात्म ज्ञान और राजयोग के बारे में जानकारी देते हुए राजयोग सीखने की सलाह दी। कच्छ प्रवास के दौरान अमृता राव अपने माँ के साथ जितने दिन थी उतने दिन तक उन्होंने सेवाकेन्द्र पर भी सात्विक भोजन को प्राथमिकता दी और अध्यात्मिक ज्ञान और राजयोग का अभ्यास करती रही। अमृता राव का कहना है कि वे बचपन में बच्चों के कार्यक्रम में भाग लेने माउण्ट आबू में आयी थी। अमृता राव ने संस्था के अस्सी वर्ष पूर्ण होने पर बधाई देते हुए कहा कि लोगों को ज्यादा से ज्यादा इस संस्थान से जुड़ने का आग्रह किया। अमृता राव ने पुन: जीवन में राजयोग सीखने का आह्वान करते हुए कहा कि अब वक्त है कि लोगों को जीवन में दिव्यता और आध्यात्मिकता आन्तरिक सशक्तिकरण से ही आयेगी। उन्होंने माउण्ट आबू आने का संकल्प लिया। उनकी माँ कंचन राव ने भी इनको आध्यात्मिक रुझानों के लिए प्रेरित किया।

'नई स्वर्णिम दुनिया के लिए अपने को तैयार रखो'

इलाहाबाद उच्च न्यायालय के न्यायाधीश हसनैन के विचार

शिव आमंत्रण ■ लखनऊ

परिवर्तन संसार का नियम है फिर चाहे वह व्यक्ति का हो या भौतिक पदार्थों का, और जब बात आती है सार्वभौमिक व विश्व परिवर्तन की तो वह सिर्फ और सिर्फ ईश्वरीय शक्ति से ही संभव हो सकता है। इसलिए निराकार परमात्मा शिव अवतरित होकर आध्यात्मिक ज्ञान और राजयोग के माध्यम से 1936 से सृष्टि परिवर्तन का दिव्य कार्य करा रहे हैं और उनको 80 साल पूरे हुए हैं। जिसकी जानकारी देने के लिए ब्रह्माकुमारीज द्वारा गॉड्स विजडम फॉर वर्ल्ड ट्रांसफॉर्मेशन विषय पर अनेक स्थानों पर कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है। और इसी के तहत लखनऊ के गोमती नगर सेवाकेंद्र द्वारा भी सीएमएस ऑडिटोरियम में विशाल कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

गोमतीनगर लखनऊ में गॉड्स विजडम फॉर वर्ल्ड ट्रांसफॉर्मेशन कार्यक्रम में मंचासीन अतिथि।

हमें खुद जगानी पड़ेगी आध्यात्मिक चेतना

इस अवसर पर इलाहाबाद उच्च न्यायालय के न्यायाधीश शाहीबुल हसनैन ने वसुधैव कुटुंबकम् का उदाहरण प्रस्तुत किया और कहा, कम बुद्धि वाले लोग ही यह मेरा है, यह दूसरे का है इस बात में जाते हैं, एक दूसरे के साथ लड़ते हैं। आध्यात्मिक व्यक्ति को मां, बाप, मौसी, नौकर, बेटा इसमें अंतर दिखाई नहीं देता। इसके लिए आप को आध्यात्मिक चेतना को जगाना पड़ेगा। आध्यात्म का रास्ता ही है जो हमें परमात्मा से सम्बन्ध जोड़ने में मदद करता है। कलियुग का अन्त समीप है, रात कटने वाली है, सवेरा होने वाला है। इस समय भी आप नई दुनिया के लिए अपने को तैयार नहीं रखते हैं तो हम बहुत ही दुर्भाग्यशाली हैं।

काली रात कटने वाली है

ब्रह्माकुमारीज, यूरोप की निदेशिका बीके जयंति ने कहा, जिस तरह से रात के बाद दिन अवश्य आता है वैसे हम मानते हैं कि ईश्वरीय ज्ञान के आधार पर यह जो रात कुछ समय से चल रही थी वह जैसे की अंतिम सीमा पर आकर पहुंची है। परन्तु इसके पश्चात जो आने वाली दुनिया है उसमें अवश्य ही शांति, सभ्यता और प्रेम होगा।

साझा किए अनुभव

गुरूद्वारा लखनऊ कमेटी के अध्यक्ष राजेंद्र बग्गा ने ब्रह्माकुमारीज संस्था के मुख्यालय माउण्ट आबू के दौरान हुए अनुभवों को सभी के साथ साझा किया। लखनऊ के बिशप डॉ. जेरॉल्ड जॉन मैथियास ने कहा, ब्रह्माकुमारीज का विश्व परिवर्तन का कार्य देश-विदेश में चल रहा है। सबके सहयोग से यह कार्य आगे बढ़े।

इन्होंने किया शुभारंभ

हाईकोर्ट जस्टिस शाहीबुल हसनैन, जस्टिस एस. एन. शुक्ला, डॉ. दिनेश शर्मा, कबीर पीस फाउण्डेशन के राकेश कुमार मित्तल, गुरूद्वारा लखनऊ कमेटी के प्रेजीडेंट राजेंद्र बग्गा, महामण्डलेश्वर दिव्य गिरी, नवाब साकेत मीर अब्दुल्ला, यूरोप सेवाकेंद्रों की निदेशिका बीके जयन्ति, गोमती नगर सेवाकेंद्र प्रभारी बीके राधा समेत कई दिग्गजों ने दीप जलाकर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। फिल्म अभिनेत्री ग्रेसी सिंह ने विविध गीत के आधार पर मनमोहक डान्स पेश किये और सबको भावविभोर कर दिया।

उद्घाटन समारोह में समूह के साथ नृत्य प्रस्तुति देतीं अभिनेत्री ग्रेसी सिंह।

आध्यात्मिक परिवर्तन लाएगा सामाजिक क्रांति

कबीर पीस मिशन, लखनऊ के संस्थापक राकेश कुमार मित्तल ने कहा, समाज में सब तरह की क्रांति हो चुकी है लेकिन समाज परिवर्तन केवल आध्यात्मिक क्रांति से होगा। आध्यात्म एक ऐसा शब्द है इसको विज्ञान की चकाचौंध में भ्रमित कर दिया है। मैने जो आध्यात्म को समझा है वह यह बताता है यदि दुनिया में ठीक से काम करना है, अपने जीवन को सफल बनाना है तो आध्यात्मिक रास्ते के अलावा और कोई रास्ता नहीं है।

अशांति व लॉ एण्ड ऑर्डर में राजयोग की विशेष आवश्यकता

धर्म सम्मेलन में बोलती जस्टिस दया चौधरी।

शिव आमंत्रण, चंडीगढ़। आज बाहरी दुनिया में जिस तरह की अशांति व लॉ एण्ड ऑर्डर है उसमें राजयोग की विशेष आवश्यकता है यह हर किसी को महसूस होने लगा है, अगर कहीं शांति मिलेगी तो वो ब्रह्माकुमारीज़ संस्थान में ही मिलेगी, यह विचार हरियाणा हाईकोर्ट की जज जस्टिस दया चौधरी के हैं जो उन्होंने चंडीगढ़ सेक्टर 33 में ब्रह्माकुमारीज के द्वारा शिवरात्रि के पावन अवसर पर आयोजित सर्व धर्म सम्मेलन में व्यक्त किये। साथ ही जस्टिस एम.एम.एस बेदी ने बताया कि जिस कार्य की जिम्मेवारी परमात्मा की, अगर उसे हम अपने उपर ले लेते हैं तो हमें तनाव हो जाता है, साथ ही महापौर आशा जायसवाल ने भी अपने विचार व्यक्त किये। सम्मेलन में जामा मस्जिद के इमाम वसीम अकरम, श्री तेग बहादुर गुरूद्वारे के प्रधान साधू सिंह, उप प्रधान मेजर करनैल सिंह, पंजाब जोन के निदेशक बीके अमीर चंद, सेक्टर- 33ए सेवाकेंद्र प्रभारी बीके उत्तरा, सेक्टर-15ए सेवाकेंद्र प्रभारी बीके अनीता, सेक्टर-44सी सेवाकेंद्र प्रभारी बीके कविता, राजयोग शिक्षिका बीके नेहा की उपस्थिति में जस्टिस दया चौधरी ने शिव ध्वज फहराकर शिवरात्रि की खुशियां मनाई। सम्मेलन से पूर्व प्रात:काल एक विशाल प्रभातफेरी का भी आयोजन किया गया, लगभग चार किलोमीटर की लम्बी यात्रा में सैकड़ों की संख्या में संस्था के श्वेत वस्त्रधारी सदस्यों ने बुलन्द आवाज में नारे लगा कर भगवान शिव का गुणगान किया।

उल्लास का अवसर | सब सुखी रहें, सबका कल्याण हो

रिट्रीट सेंटर का भूमिपूजन, जल्द होगा तैयार

शिव आमंत्रण ■ राजकोट

सब सुखी रहें, सब शांत रहे, सबका कल्याण हो, कोई भी दुख का भागी न हो इसी लक्ष्य को स्मृति में रखते हुये गुजरात के राजकोट में हैप्पी विलेज रिट्रीट सेंटर की नींव रखी गई।

जिसका भूमिपूजन ब्रह्माकुमारीज़ संस्थान की मुख्य प्रशासिका राजयोगिनी दादी जानकी के कर कमलों से गुजरात ज़ोन की निदेशिका बीके सरला, राजकोट सबजोन प्रभारी बीके भारती, राजयोग शिक्षिका बीके हंसा, बीके अंजु की उपस्थिति में संपन्न हुआ।

सैकड़ों लोगों की उपस्थिति में बेहद की सेवा के निमित्त बनने वाले इस सेवाकेंद्र का सर्वप्रथम विधिवत पूजन किया गया उसके पश्चात दादी जानकी ने अपने कमल हस्तों से नींव रखी और अंत में ध्वजारोहण कर परमात्मा शिव का धन्यवाद किया, और जल्द से जल्द बेहद की सेवा के लिए सेवाकेंद्र के तैयार होने की शुभकामनाएं दी। कार्यक्रम के दौरान सोलह ब्रह्माकुमारी बहनों ने दादी जानकी के सम्मुख अपने आप को परमात्मा द्वारा किये जा रहे विश्व परिवर्तन के कार्य में खुद को तन, मन, धन, समय, श्वांस व संकल्प से समर्पित कर दिया। वहीं संस्था प्रमुख राजयोगिनी दादी जानकी का जन्मदिन संस्थान के सदस्यों ने बड़े उमंग उत्साह से मनाया एवं दादी की दीर्घायु की कामना की।

भूमिपूजन करती राजयोगिनी दादी जानकी।

वंडर बुक ऑफ रिकॉर्ड में लातूर का शिवलिंग दर्ज

21 फुट के शिवलिंग के लिए लगे 11 हजार 111 नारियल

शिव आमंत्रण, लातूर। ब्रह्माकुमारीज लातूर सेवाकेंद्र ने महाशिवरात्रि महोत्सव पर 11 हजार 111 नारियलों से सजा 21 फीट उंचा शिवलिंग बनाया। शिवलिंग ने विश्व रिकॉर्ड प्राप्त किया जिसका नाम वंडर बुक ऑफ रिकॉर्ड इंटरनेशनल, लंदन में दर्ज हुआ। सेवाकेंद्र प्रभारी बीके नंदा के मार्गदर्शन में शिवजयंती के उपलक्ष्य में 11 हजार 111 नारियल से बना 21 फीट उंचा यह शिवलिंग तैयार किया गया। लातूर राजभवन के सामने यह शिवलिंग बनाया गया था। उद्घाटन समारोह में औसा के विधायक बसवराज पाटिल, दैनिक यशवंत के मुख्य संपादक भीमाशंकर मोतीपवले, एडवोकेट त्रिम्बक झंवर, अभिजीत देशमुख भी उपस्थित रहे। यहां उपस्थित सभी पदाधिकारियों ने नारियल फोडकर इसका शुभारंभ किया। इस मौके पर कर्नाटक से गुलबर्गा सबजोन प्रभारी बीके विजया, लातुर सेवाकेंद्र प्रभारी बीके नंदा को वंडर बुक ऑफ रिकार्ड्स इंटरनेशनल से भारत की कोर्डिनेटर डॉ. स्वर्ण श्री गुर्रम ने प्रमाणपत्र देकर सम्मानित किया।

सिरसा हेल्थ वेल्थ फेस्टीवल में खाद्य मंत्री कंबोज के उद्गार

विश्व को शांति के सूत्र में बांध रहा है ब्रह्माकुमारी संस्थान

शिव आमंत्रण ■ सिरसा

आज हम जिस दौर से गुजर रहें हैं वहां प्रतिदिन मानवीय मूल्यों में गिरावट दिखाई दे रही है। ऐसे में हेल्थ वेल्थ हैप्पीनेस फेस्टीवल ऐसा सन्देश लेकर आया है जिससे अवश्य ही लोगों को मानसिक शांति का अनुभव होगा क्योंकि यह मेला अपने नाम से ही अपने सन्देश का स्पष्टीकरण करता है। यह उद्गार मुख्य अतिथि हरियाणा के खाद्य एवम् आपूर्ति मंत्री करण देव कंबोज ने ब्रह्माकुमारीज़ शांति सरोवर द्वारा पुलिस लाईन, सिरसा में आयोजित हेल्थ वेल्थ हैप्पीनेस फेस्टीवल के उद्घाटन समारोह में व्यक्त किए। उन्होंने कहा कि सन्तोष और मानसिक शांति सबसे बड़ा धन है जिसे प्राप्त कराने के लिए ब्रह्माकुमारीज़ संस्था अनेक वर्षों से प्रयासरत है और यहां एकमात्र ऐसा संस्थान है जो पूरे विश्व को सच्ची शांति के एक सूत्र में बांधने का बीजारोपण कर रहा है। इसके साथ साथ उन्होंने संस्था के मुख्यालय माउंट आबू की अपनी यात्रा का भी जिक्र किया । श्री. कंबोज ने मेले का अवलोकन भी किया।

सिरसा हेल्थ, वेल्थ, हैप्पीनेस मेले के उद्घाटन समारोह को संबोधित करते मंत्री करण देव कंबोज व उपस्थित अन्य अतिथि।

परिवर्तन की तलाश में

सीखें राजयोग

समारोह के चेयरपर्सन चण्डीगढ़ से विशेष तौर पर उपस्थित हुए संस्था के पंजाब जोन के निदेशक बीके अमीरचन्द ने कहा कि आज हर व्यक्ति परिवर्तन चाहता है और उसकी यह तलाश इस संस्था में आकर राजयोग सीखने से पूर्ण होती है। हेल्थ वेल्थ हैप्पीनेस फेस्टीवल के शुभारंभ समारोह में बठिण्डा से पधारी सबजोन इन्चार्ज बीके कैलाश ने आशीर्वचन दिए।शांति सरोवर की संचालिका बीके बिन्दू ने फेस्टीवल का उद्देश्य स्पष्ट किया और बताया कि सभी सिरसावासी अपने भीतर समाहित आध्यात्मिक शक्तियों का व्यवहारिक जीवन में अनुभव कर संपूर्ण स्वास्थ्य नि:शुल्क प्राप्त करके अपने परिवार और समाज के वातावरण को सौहार्दपूर्ण बनाएं इसी लक्ष्य को लेकर यह भव्य आयोजन किया गया है। आयोजन में करनाल सेवाकेन्द्र प्रभारी बीके किरण, मुंबई की बीके तनूजा तथा इसके अलावा पूर्व बीजेपी जिला अध्यक्ष, एडवोकेट यतिन्द्र सिंह, बीजेपी कार्यकारिणी सदस्य शीशपाल कंबोज सहित कई गणमान्य विभूतियों ने भी इस मौके पर शिरकत की। समापन समारोह में बोलते हुए चौ. देवी लाल विश्व विद्यालय के उपकुलपति विजय कायत ने बतौर मुख्य अतिथि कहा, दुनिया की समस्तं संस्कृतियों में भारत की संस्कृति सबसे अनूठी है । लेकिन आज हमारे देश की महान संस्कृति का ज्ञान मात्र मन्दिरों एवं गुरूद्वारों में ही सिमट कर रहा गया है। ब्रह्माकुमारीज़ द्वारा आयोजित हेल्थ वेल्थ हैप्पीनेस फेस्टीवल के द्वारा भारतीय संस्कृति के ज्ञान को जनता तक पहुंचाने का जो प्रयास किया गया है वो बड़े गौरव की बात है। उन्होंने कहा कि पूरे विश्व में सत्य और शक्ति की खोज भारत में आकर ही पूर्ण होती है।

इस अवसर पर हरियाणा के पूर्व मंत्री जगदीश नेहरा, सी डी एल यू के रजिस्ट्रार असीम मिगलानी, जिला कारागार की डी एस पी सैलाक्षी, ब्रह्माकुमारीज़ के नॉर्थ ज़ोन के संयोजक बीके अरूण, नॉर्थ सबजोन इन्चार्ज राजयोगिनी कैलाश दीदी, नॉर्थ जोन यातायात एवं परिवहन प्रभाग की चेयरपर्सन बीके सुदेश भी बतौर विशेष अतिथि उपस्थित हुए।

स्वर्णिम संसार तभी बनेगा, जब हमारे संस्कार होंगे स्वर्णिम

अभियान में बोलती बीके अवधेश।

शिव आमंत्रण, भोपाल। राम राज्य व स्वर्णिम संसार आने वाला है और स्वर्णिम संसार तभी बनेगा जब हमारे संस्कार स्वर्णिम होंगे। उक्त विचार भोपाल के रोहित नगर में स्वर्णिम प्रशासन मध्य प्रदेश जागृति अभियान के तहत संपन्न हुये प्रशासक कार्यक्रम में भोपाल जोन की निदेशिका बीके अवधेश ने व्यक्त किये।

कार्यक्रम में नगर तथा ग्राम निवेश के सह आयुक्त संचालक आईएएस संदीप यादव ने कहा कि प्रशासक समाज के दर्पण हैं वह समाज और सरकार के बीच की कड़ी है। इसलिए उन्हें अंदर बाहर साफ होना चाहिये। साथ ही ब्रह्माकुमारीज के प्रशासक प्रभाग की क्षेत्रीय संयोजिका बीके रीना ने कहा कि आज मनुष्य की लोभ वृत्ति के कारण धरती व आसमान बंट चुके है।

कार्यक्रम में मध्य प्रदेश लोक सेवा आयोग के पूर्व सदस्य प्रकाश बरतुनिया, बेगमगंज के एसडीएम डीके सिंह, इंस्टीट्यूट ऑफ एक्सिलेंस इन हायर एजुकेशन की निदेशिका डॉ. प्रमिला मैनी, इलाहाबाद बैंक के महाप्रबंधक एन एन शाह, मध्य प्रदेश माध्यम के विशेष कर्तव्य अधिकारी पुष्पेंद्र पाल सिंह एवं प्रशासक प्रभाग के कार्यकारी सदस्य बीके रविंद्र ने अपने विचार व्यक्त किये। पूरे भोपाल जोन में यह कार्यक्रम चलाया गया।

पुरानी टोंक में नवनिर्मित भवन का उद्घाटन

उर्जावान दिशा देने का कार्य कर रही ब्रह्माकुमारी संस्था

शिव आमंत्रण ■ पुरानी टोंक

राजस्थान के पुरानी टोंक नवनिर्मित प्रभु उपहार नामक भवन का उद्घाटन जयपुर से आई बीके लक्ष्मी व बीके जयंती द्वारा किया गया।

मधुबन पैराडाइज में आयोजित इस भव्य समारोह में जिला मंत्री बेनी प्रसाद जैन, कृषि उपज मंडी टोंक की चेयरमैन सुमन गुर्जर, संस्थान से जुड़े व भाजपा प्रवक्ता ओम प्रकाश गुप्ता ने अपने उद्बोधन में आध्यात्मिक क्षेत्र में ईश्वरीय विश्वविद्यालय द्वारा दी जा रही शिक्षाओं को श्रेष्ठ बताते हुए मानव समाज की स्वास्थ्य स्थापना के लिए ईश्वरीय ज्ञान के साथ प्रशासनिक व्यवस्थाओं को मुख्य आधार बताया और कहा कि दोनों ही सेतु विश्व कल्याण के लिए हमें उर्जावान दिशा देने का कार्य करते हैं। नगर परिषद टोंक की सभापति लक्ष्मी जैन ने कहा की संस्था मानव जाति को अच्छा रास्ता दिखा रही है। इसी दौरान बीके जयंती ने कहा की सर्व धर्म मनुष्य आत्माओं के लिए परमपिता परमात्मा शिव स्वर्ग की सौगात लेकर आए हैं। आने वाली सतयुगी दुनिया में ले जाने के लिए राजयोग की शिक्षा देकर सुख-शांति-आनंद-प्रेम और शक्तियों से भरपूर कर रहे हैं। बीके लक्ष्मी ने कहा की हमें अपने जीवन को खुशियों से भरपूर कर सबको खुशियां बांटते रहना है।

पुरानी टोंक में भवन उद्घाटन कार्यक्रम में उपस्थित लोग।

इससे पूर्व समारोह में एक भव्य शोभायात्रा शिव ध्वज कलश सहित निकाली गई। शोभायात्रा बंबोर गेट से छोटा बाजार होते हुए सेवाकेंद्र तक निकाली गई जिसमें महिला पुरुष शिव पताकाओं के साथ कतारबद्ध रूप में अनुशासित होकर चल रहे थे जिसका जगह जगह पर पुष्प वर्षा से स्वागत किया गया। इस रैली का उद्देश्य शिव अवतरण के साथ-साथ विश्व कल्याण की ज्योति को प्रबल करना रहा।

मुस्कुराना भी सच्ची नि:शुल्क समाजसेवा

शिव आमंत्रण ■ नरवाना

ब्रह्माकुमारीज संस्थान 80 सालों से विश्व के 140 देशों में लगातार समाज सेवा के द्वारा लोगों को बुराईयों व समस्याओं से मुक्त बनाने तथा कई प्रकार की सामाजिक सुविधाएं प्रदान कर उनके जीवन को सुखदायी बनाने का प्रयास कर रही है। इसलिए वर्तमान समय लोगों को समाज के प्रति नि:स्वार्थ भाव से सेवा के प्रति प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से हरियाणा के नरवाना में विशाल कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

समाज सेवा में नए आयाम विषय पर आयोजित यह कार्यक्रम विश्वकर्मा धर्मशाला में आयोजित किया गया था जिसका शुभारंभ समाज सेवा प्रभाग के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष बीके अमीरचंद, जींद सर्कल प्रभारी बीके विजय, सेवाकेंद्र प्रभारी बीके सीमा समेत रोटरी क्लब के सदस्यों ने दीप जलाकर किया।

शुभारंभ दीप प्रज्ज्वलित कर ब्रह्माकुमारीज नरवाना के कार्यक्रम का शुभारंभ करते हुए मुख्यातिथि व अन्य।

इस अवसर पर बीके अमीरचंद ने कहा कि अपने जीवन में मुस्कुराने को धारण कर लो तो यह एक सच्ची और नि:शुल्क समाज सेवा है। इसके साथ ही भारत देश और उसकी संस्कृति की महिमा की।

बीके विजया ने कहा कि कभी भी एक व्यक्ति या एक परिवार से समाज नहीं बनता है बल्कि सभी के प्रति परिवार व भाईचारे की भावना रखने से समाज बनता है।

इस दौरान बच्चो ने सुंदर गीतों पर नृत्य कर वातावरण को आध्यात्मिक बना दिया। कार्यक्रम में सैकड़ों की संख्या में शहर से गणमान्य लोगों ने भाग लिया। इस दौरान अनेक समाजसेवी संस्थाओं के प्रतिनिधियो ने भाग लिया। इस अवसर पर समाजसेवा में भरपूर योगदान देने के लिए शहर की अनेक संस्थाओ व पत्रकारों को सम्मानित किया गया।

आत्म चिंतन भवन का वार्षिकोत्सव

शिव आमंत्रण, लखनऊ। लखनऊ के गोमती नगर स्थित आत्म चिंतन भवन का 17 वां वार्षिकोत्सव माउंट आबू से वरिष्ठ राजयोग शिक्षका बीके उषा, आत्म चिंतन भवन सेवाकेंद्र की प्रभारी बीके राधा समेत संस्था के सदस्यों ने बड़े ही उमंग व उत्साह से केक काटकर मनाया। साथ ही बीके उषा ने बताया कि दुनिया में सब परमात्मा को जानी जाननहार कहते हैं, पर परमात्मा ने बताया है हर एक के दिल में क्या है यह मुझे जानने की जरूरत नहीं,पर मैं आने वाले समय को बहुत ही अच्छी तरह से जानता हूं।

वार्षिकोत्सव में दीप प्रज्जवलन करती बीके उषा व अन्य बहनें।

स्व चिंतन से ही होगी स्व उन्नति

शिव आमंत्रण, अमरावती। ब्रह्माकुमारीज संस्थान द्वारा चलाए जा रहे युवा प्रभाग के मुख्यालय संयोजक बीके आत्म प्रकाश ने महाराष्ट्र के कई सेवाकेंद्रों का भ्रमण किया। जिसके अन्तर्गत हिवरखेड़ गीता पाठशाला त्रिमूर्ति भवन का उन्होंने अनावरण कर किया। वरूड सेवाकेंद्र में आध्यात्मिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें बीके आत्म प्रकाश ने अपनी शुभकामनाएं दी तथा यवतमाल सेवाकेंद्र पर आयोजित कार्यक्रम में स्व परिवर्तन का महत्व बताया। अमरावती के गणेश कॉलोनी और पीस पैलेस में आयोजित कार्यक्रम में बीके आत्म प्रकाश ने कहा कि स्व चिंतन से ही स्व उन्नति हो सकती है। इस दौरान विश्व परिवर्तन भवन में स्व उन्नति के लिए आयोजित कार्यक्रम का शुभारंभ बीके आत्म प्रकाश समेत स्थानीय बहनों ने दीप प्रज्ज्वलन कर किया। इस मौके पर बीके आत्म प्रकाश ने आत्म अभिमानी स्थिति और स्वमान में स्थित रहकर अपनी स्थिति को अचल अडोल बनाने की सलाह दी। अंत में सभी बीके बहनों ने योगाभ्यास कराया वहीं सभी को शारीरिक व्यायाम भी कराया गया। इसके साथ ही मोझरी, रूक्मिणी नगर समेत अन्य स्थानों पर भी कार्यक्रम का आयोजन कर लोगों को ईश्वरीय संदेश दिया गया।

त्रिमूर्ति भवन का अनावरण करते बीके आत्मप्रकाश।

अपने आप से प्यार करें, खुशी पहचानें, स्वास्थ्य का ध्यान रखें : प्राची ठक्कर

शिव आमंत्रण, मलाड। आज देश में अनेक प्रकार के त्यौहार व दिवस मनाए जाते हैं जिससे मनुष्य को खुश रहने का एक और मौका मिल जाता है लेकिन महिलाओं की तरक्की और सशक्तिकरण के लिए मनाया जाने वाला अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस अपने आप में खास है। समाज नारियों को अपने सम्मान एवं सुरक्षा के प्रति जागरूक होकर नये विश्व निर्माण में सहयोगी बने इसी उद्देश्य को लेकर ब्रह्माकुमारीज संस्थान द्वारा कई स्थानों पर कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। मुंबई में मलाड सेवाकेंद्र पर आयोजित कार्यक्रम में टीवी एक्टर प्राची ठक्कर ने अपने सुंदर विचारों को व्यक्त करते हुए कहा कि परिवार के साथ-साथ यदि महिला अपने आप से प्यार करना सीखे, अपनी खुशी को पहचाने और अपने स्वास्थ्य का ध्यान रखे तो वो महिला एक सशक्त महिला बन सकती है...

अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस के उपलक्ष्य में मुंबई के मलाड़ डिंडोशी के बेस्ट ट्रेनिंग सेंटर में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें फेमस टीवी एक्टर प्राची ठक्कर, वुमेंस ग्रुप की प्रमुख साधना मणे, डिंडोशी शिवसेना शाखा प्रमुख विद्या गावणे, मलाड सेवाकेंद्रों की प्रभारी बीके कुंती, भानूशांति सेवाकेंद्र प्रभारी बीके शोभा मुख्य रूप से उपस्थित रही। कार्यक्रम में कई दिग्गज महिलाओं ने भी सहभागिता की। इस मौके पर उपस्थित महिलाओं ने नारी को सशक्त बनाने एवं हर प्रकार से जागरूक होने के लिए प्रेरित किया। मलाड सेवाकेंद्र प्रभारी बीके कुंती ने कहा कि आधुनिक जीवन के साथ-साथ आध्यात्मिकता का जीवन होना जरूरी है। जितना बाहरी निखार आवश्यक है उससे कहीं ज्यादा हमें आंतरिक निखार की आवश्यकता है। कार्यक्रम के अंत में बीके कुंती ने अतिथियों को शॉल ओढ़ाकर उनका सम्मान किया एवं ईश्वरीय सौगात देकर उन्हें परमात्मा की याद के लिए प्रेरित किया।

तनाव नियंत्रण

भारत तिब्बत सीमा पुलिस के लिए कार्यशाला, आध्यात्मिक बुद्धिमत्ता पर हुआ मंथन

टेक्नोलॉजी के साथ-साथ मानव का विकास जरूरी

शिव आमंत्रण ■ मसूरी

भारत तिब्बत सीमा पुलिस अकादमी, मसूरी में 'तनाव नियंत्रण' विषय पर एक कार्यशाला का आयोजन किया गया।

इस अवसर पर ब्रह्माकुमारी संस्था से आये बीके अंकित, बीके कन्हैया ने प्रोजेक्टर के माध्यम द्वारा प्रशिक्षणार्थियों एवं अधिकारियों को बताया कि - दुनिया में हर प्रकार की क्रान्ति हो रही है, विकास की नई - नई ऊंचाइयों पर मानव पहुंच रहा है। टेक्नोलॉजी एक प्रकार से मनुष्य जीवन का हिस्सा बन गई है। बाकी सब तेज गति से बढ़ रहे हैं, लेकिन कहीं ऐसा न हो कि इंसान वहीं का वहीं रह जाये। अगर इंसान वहीं का वहीं रह गया और विश्व में ये सारी व्यवस्थायें विकसित हो गई तो ये मिस मैच भी मानव जाति के लिए संकट का कारण बन सकता है। इसलिए आवश्यक है कि मानव का भी आंतरिक विकास होना चाहिए, उत्कर्ष होना चाहिए। 21 जून, अंतराष्ट्रीय योग दिवस से न सिर्फ एक दिवस मनाने की प्रक्रिया प्रारंभ हो रही है, बल्कि शान्ति, सद्भावना और ऊंचाइयों को प्राप्त करने के लिए, मानव मन को ट्रेनिंग देने के लिए एक नए युग का आरंभ हो रहा है।

तनाव नियंत्रण कार्यशाला मे शामिल अधिकारी एवं पुलिस।

तनाव नहीं झेल पा रही आज की पीढ़ी

आज के समय में लोगों को कई प्रकार की बीमारियां हैं जैसे डायबिटीज, हाइपर टेंशन आदि। लोग इसे ठीक करने के उपाय ढूंढते रहते हैं। परंतु इसका इलाज होने के बजाय ये बीमारियां लाइलाज बनती चली जाती हैं। बढ़ते तनाव को आज की युवा पीढ़ी झेल नहीं पा रही है और इसके लिए शराब और ड्रग्स का सहारा ले रही है। यहां एक ही उपाय है योगाभ्यास। ये ही हमारी मानसिक स्थिति को संतुलित रखेगा। अगर शरीर मन-बुद्धि का मंदिर है तो योग उस मंदिर को बहुत ही फायदेमंद है अगर इसे सही तरीके से और अनुशासित रूप से किया जाए। योग हमारी शारीरिक, मानसिक क्षमता को बढ़ाता है, विशेषताओं का विकास करता है और हमें तनावमुक्त रखता है। कार्यशाला के अन्त में बीके माधी, बीके सविता द्वारा भारत तिब्बत सीमा पुलिस के अधिकारियों को ईश्वरीय सौगात प्रदान की गई।

कार्यशाला का भारत तिब्बत सीमा पुलिस के डिप्टी कमान्डेंट शिव कुमार, असिस्टेन्ट कमान्डेंट मुकेश कुमार, मुख्य चिकित्सा अधिकारी नवजोत कौर, इंस्पेक्टर मोहन प्रसाद, इंस्पेक्टर सत्यवीर तोमर व इंस्पेक्टर दिवान सिंह ने भी लाभ लिया।

एकाग्रता के लिए राजयोग अभ्यास जरुरी

शिव आमंत्रण, फाजिलनगर। उत्तरप्रदेश के फाजिलनगर के जनता इंटर कॉलेज सोहंग में विधार्थियो के स्मरण शक्ति के विकास के लिए बीके सूरज ने स्मरण शक्ति के लिए राजयोग पर विस्तार पूर्वक समझाते हुए बताया कि राजयोग के अभ्यास से हमारे विचारों की गति स्थिर होती हैं तथा हमारी एकाग्रता में वृद्धि होती है। इस अवसर पर कॉलेज प्रधानाचार्य गोपाल सिंह, चंद्रशेखर सिंह, अशोक पाठक सहित अन्य अध्यापकगण उपस्थित थे।

क्विक न्यूज़

गॉडलीवुड स्टूडियो के बी.के. चितरंजन सम्मानित

शिव आमंत्रण, आबू रोड। ब्रह्माकुमारीज संस्था के गॉडलीवुड स्टूडियो द्वारा प्रसारित भालो ठाको प्रतिदिन कार्यक्रम के बेहतरीन टेलिकास्ट एवं उच्च गुणवत्ता के लिए विश्व भारती विश्वविद्यालय द्वारा प्रोत्साहन सर्टिफिकेट देकर बी. के. चित्तरंजन को सम्मानित किया गया। यह सर्टिफिकेट विश्व भारती संगीत भवन के उप प्राचार्य प्रशांत कुमार घोष ने गॉडलीवुड स्टूडियो के बंगाली विभाग प्रमुख बीके चितरंजन को देकर सम्मानित किया। इस अवसर पर कई लोग उपस्थित थे। इस उपलक्ष्य में गॉडलीवुड स्टूडियो के कार्यकारी निदेशक बीके हरीलाल ने शुभकामनाएं देते हुए विश्व भारती संगीत भवन को शुभकामनाएं दी है।

बीके चितरंजन को प्रशस्तिपत्र भेंट करते प्रशांत कुमार घोष।

राज्यमंत्री चौधरी को दी ईश्वरीय सौगात

राज्यमंत्री चौधरी को सौगात देतीं बीके बहनें।

शिव आमंत्रण, दीव। केंद्रीय कानून एवं न्याय व सूचना राज्य औद्योगिकी राज्यमंत्री पी.पी. चौधरी से स्थानीय सेवाकेंद्र प्रभारी बीके गीता व बीके जयश्री ने मुलाकात कर ईश्वरीय सौगात भेंट की। इस मौके पर कलेक्टर पी.एस. जीनाली, एस.पी. समीर शर्मा, जिला पंचायत उप प्रमुख अश्विनी भी मौजूद थे।

इंटरनेशनल मेले में आध्यात्मिक प्रदर्शनी

शिव आमंत्रण, फरीदाबाद। हरियाणा के फरीदाबाद में सूरजकुंड मेला अथॉरिटी द्वारा 15 दिवसीय सूरजकुंड इंटरनेशनल क्राफ्ट्स मेले का आयोजन किया गया, जिसमें ब्रह्माकुमारीज़ के सेक्टर-21डी सेवाकेंद्र द्वारा नशा मुक्ति व राजयोग मेडिटेशन विषय पर स्टाल लगाया गया जिसमें अध्यात्मिक चित्र प्रदर्शनी द्वारा हजारों लोगों को ईश्वरीय संदेश दिया गया। साथ ही बीके प्रीति ने मेले के बारें में महत्वपूर्ण जानकारी दी। 15 दिन तक चली इस प्रदर्शनी का कई विशिष्ट अतिथियों ने भी अवलोकन किया जिन्हें, बीके बहनों ने ईश्वरीय ज्ञान से अवगत कराया, साथ ही मेडिकेल कैंप का भी आयोजन किया गया था, जिसका सैकड़ों लोगों ने लाभ लिया।

प्रदर्शनी का लाभ लेते लोग।

महाकरूणा अवॉर्ड से बीके बिन्नी सम्मानित

करन सिंह के साथ बीके बिन्नी

शिव आमंत्रण, लेह। लेह-लद्दाख के महाबोधी अंतर्राष्ट्रीय ध्यान केंद्र द्वारा अंतर्राष्ट्रीय करूणा दिवस समारोह आयोजित किया गया, जिसमें लेह महाबोधी के अध्यक्ष द्वारा माउण्ट आबू से पधारी बीके बिन्नी को महाकरूणा अवॉर्ड से सम्मानित किया गया। यह कार्यक्रम अहमदाबाद, दिल्ली एवं मुम्बई सहित अनेक बड़े शहरों में आयोजित किया गया था जिसमे करूणा, अहिंसा एवं शांति के क्षेत्र में कार्यरत ब्रह्माकुमारीज से बीके बिन्नी के विचारों, एवं कार्यों की सराहना की गई। इस अवसर पर बिहार सरकार की महिला एवं बाल विकास मंत्री मेनका गांधी, महाबोधी ध्यानकेंद्र के संस्थापक बिक्खू संघसेना, स्वामी चिदानंद, लोकेश मुनि, बीके नीमा, बीके गायत्री सहित कई देशों के अध्यात्मिक एवं सामाजिक नेता मौजूद थे।

केंद्रीय रसायन मंत्री को दिया शिव संदेश

शिव आमंत्रण, चंद्रपुर। महाराष्ट्र चंद्रपुर के जुगाद गांव में आध्यात्मिक चित्र प्रदर्शनी लगाई गई। जिसमें चंद्रपुर सेवाकेंद्र से बीके कुंदा ने केंद्रीय रसायन और पेट्रो रसायन मंत्री हंसराज अहीर को निराकार शिव का संदेश दिया। साथ ही प्रदर्शनी में आए विधायक संजीव रेड्डी, पुलिस अधीक्षक संदीप दीवान समेत कई अतिथियों को बीके कुंदा ने परमात्म संदेश देते हुए ईश्वरीय सौगात भेंटकर सम्मानित किया।

केंद्रीय मंत्री हंसराज अहीर को शिव संदेश देती बीके बहनें।

पंजाब के बलटाना में हेल्थ वेल्थ हैप्पीनेस फेस्ट

हेल्थ, वेल्थ, हैप्पीनेस फेस्ट में आकर्षण बना 27 फुट लम्बा कुम्भकरण।

शिव आमंत्रण, बलटाना। पंजाब के बलटाना में संगमधाम सेवाकेंद्र द्वारा तीन दिवसीय हेल्थ वेल्थ हैप्पीनेस फेस्ट का आयोजन किया गया, जिसमें बेटी बचाओ सशक्त बनाओ, भगवान के लिए पत्र, बच्चों के लिए गेम, शांति की अनुभूति के लिए राजयोग कक्ष, 27 फुट लम्बा कुम्भकरण आकर्षण का केंद्र रहा, तीन दीनों तक चले इस मेले का 10,000 से अधिक लोगों ने अवलोकन किया। मेले के दौरान लोगों को हेल्थ, वेल्थ एवं हैप्पीनस के बारे में लोगों को बताया गया, साथ ही राजयोग द्वारा गहन शांति की अनुभूति कराई, वहीं मेले में चंडीगढ़ सेक्टर-33ए की प्रभारी बीके उत्तरा, सेक्टर-44सी की प्रभारी बीके कविता, सेक्टर-46सी सेवाकेंद्र प्रभारी बीके पूनम, संगमधाम सेवाकेंद्र प्रभारी बीके सुमन समेत अनेक वरिष्ठ बहनें उपस्थित थी। इस मौके पर बीके उत्तरा ने मौजूद लोगों को राजयोग सीखने के लिए सेवाकेंद्र पर आने के लिए आमंत्रित किया।

सांची बुद्धिस्ट यूनिवर्सिटी में राजयोग साधना कार्यक्रम

शिव आमंत्रण। विदिशा। मध्य प्रदेश में विदिशा से रायसेन रोड स्थित सांची बुद्धिस्ट यूनिवर्सिटी द्वारा इंटीग्रेटेड हीलिंग की नॉन क्लीनीकल मेथड के अंतर्गत मेडिटेशन वीक का आयोजन किया गया। जिसमें भारतवर्ष के विभिन्न योग संस्थानों से आये प्रतिनिधियों ने अपने व्याख्यान प्रस्तुत किये। साथ ही राजयोग ध्यान का भी आयोजन किया गया जिसमें भोपाल के ईदगाह हिल्स सेवाकेंद्र प्रभारी बीके नीता ने राजयोग ध्यान की विभिन्न पद्धतियों को बताया, साथ ही राजयोग मेडिटेशन का अभ्यास भी कराया। कार्यक्रम में बीके नीता एवं अन्य बहनों ने आयोजक समिति के सचिव डॉ. उपेंद्र खत्री एवं बुद्धिस्ट यूनिवर्सिटी के कुलपति प्रोफेसर डॉ. यज्ञेश्वर एस. शास्त्री को ईश्वरीय सौगात भेंट कर सम्मानित किया ।

बीजापुर में नया राजयोग केंद्र

शिव आमंत्रण, बीजापुर। जैसे जैसे मनुष्यों में दुख अशांति एवं तनाव बढ़ता जा रहा है। उसी तरह से जीवन में सुख-शांति व ईश्वरीय शक्ति यों की अनुभूति कराने वाले ईश्वरीय सेवाकेंद्रों की भी वृद्धि होती जा रही है। इसी तारतम्य में कर्नाटक के बीजापुर में शिव संदेश भवन का निर्माण किया गया है जहाँ अनेक आत्माएं ईश्वरीय ज्ञान एवं योग से एक नये जीवन की अनुभूति करेंगी । कनाकदासा बदवाने में नवनिर्मित इस सेवाकेंद्र का उद्घाटन अम्बादर्शन पीठ के स्वामी नारायण शारनरू, शिवशारनी योगेश्वरी माता, जिला पंचायत के अध्यक्ष नीलम्मा एस मेटी, जिला पंचायत के सदस्य बसवानगौडा पाटिल, मेयर गोपाल सदाशिव गतकेम्बल, अक्क महादेवी महिला यूनिवर्सिटी की प्राचार्या डॉ. विजयादेवी, बेलगांव सबजोन प्रभारी बीके अम्बिका, सुभाष कॉलोनी सेवाकेंद्र प्रभारी बीके नीलीमा, ज्ञानगंगा सेवाकेंद्र प्रभारी बीके सरोजनी, मीनाक्षी चौक सेवाकेंद्र प्रभारी बीके संगीता, नवनिर्मित सेवाकेंद्र की प्रभारी बीके श्रीदेवी सहित अन्य बीके सदस्य एवं शहर के कई प्रतिष्ठित लोगों ने फीता काटकर किया।

सम्पादकीय

अस्सी साल बेमिसाल

बीके करूणा

अस्सी बरस का सफर लम्बा होता है। वह भी तब जब कोई संगठन का हो। क्योंकि संगठन अर्थात बहुत सारे लोगों का समूह जो एक सिद्धांत, नियम पर कायदे कानून पर चलता है। वह भी तब विपरित परिस्थितियों में एकता, समभाव और सदभावना बनी रहे। ऐसा ही एक ऐसा आंदोलन, जहॉ मानव को देव और नारी को लक्ष्मी जैसा बनाने का लक्ष्य हो। जाहिर है ऐसे आंदोलन के बारे में बात करना एक कोरी कल्पना लगता है। परन्तु इस सृष्टि के सृजनकर्ता परमात्मा शिव ने स्वयं प्रजापिता ब्रह्मा को निमित्त बनाते हुए इसकी नींव रखी और माताओं बहनों के सिर पर इस अभियान का कलश रखा। उस समय यह जरूर असम्भव लगा परन्तु परमात्मा की शक्ति , शक्ति स्वरूपों की कर्मठता से एक नया मुकाम स्थापित कर लिया। ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय के नाम से प्रख्यात संस्थान ने दुनिया के सभी मुल्कों में अध्यात्म और राजयोग का बीज बोते हुए एक विश्व बन्धुत्व की स्थापना में महत्वपूर्ण भूमिका निभायी। मनुष्य के अंदर के सकारात्मक बदलाव के लिए राजयोग ध्यान को जीवन का अंग बनाते हुए बेहतरी के मार्ग पर अग्रसर हुआ। जो निश्चित तौर पर यह एक अजूबे से कम नहीं है। जहॉ नारी के बारे में लोग अस्तित्व के लिए जूझ रहे हैं वहीं ब्रह्माकुमारीज संस्थान में बहनों ने शक्ति स्वरूपा बनते हुए नारी शक्ति को एहसास करा दिया कि नारी चाहे तो पूरे विश्व को बदलने की क्षमता रखती है। समाज के सभी वर्गों में बदलाव की बेहतरी का प्रयास करते हुए शानदार अस्सी वर्ष पूरे कर लिये है। जो एक अनोखी यात्रा है। आगे भी नये समाज की स्थापना के लिए प्रयासरत रहेगा। ताकि समाज में एक नयी रोशनी की किरण का विकास हो सके। इस क्रम को आगे बढ़ाने के लिए लगातार प्रयास जारी है। लोगों को सम्मान करना और सम्मान दिलाना संस्था का मुख्य लक्ष्य रहा है।

परमात्मा की शक्ति ग्रहण करना हमारा अधिकार

मेरी कलम से

इलाहाबाद उच्च न्यायालय के न्यायधीश शबीहुल हसनैन से बातचीत पर आधारित है

यह पूरा विश्व एक बगीचा है जिसमें हर तरह के कांटे और फूल है। जो खुशबू भी देते है और बदबू भी। कहीं कहीं तो कांटे भी चुभ जाते है। मनुष्य का संस्कार और स्वभाव ही इसका एहसास कराता है। यदि स्वभाव अच्छे है तो वह समाज में एक फूल की तरह है। सुन्दर सा गुलदस्ता रखा हुआ है हाथ लग जाता है टूट जाता है हमे तोड़ा सा दुख होता है लेकिन हम उसे माफ कर देते है इसलिए क्योकि हम उसे अपना बेटा समझ लेते है हम उसे अपना कनेक्ट समझ लेते है लेकिन यही गलती हमारे नौकर से हो जाती है तो हम उसकी तनख्वाह काटने पर उतारु हो जाते है सजा देने को तैयार हो जाते है क्योकि उसे हम वसुधैव कुटुम्बकम का आधार लेकर अपना नही मानते है वो कोई दूसरा होता है हमारे पड़ोस में कोई हमसे कोई दुर्व्यवहार कर दे हम उसको माफ करने को तैयार नहीं रहते है। लेकिन मेरा भाई अगर कुछ ऐसा कह देता है तो हम कह देते है छोटा है नासमझ है गलती को माफ करना चाहिए। हमारा उससे कनेक्शन है और दूसरे के साथ जो हमारा कनेक्ट नहीं तो हम उसके साथ दूसरा व्यवहार करने को तैयार हो जाते है। तो जब हम वसुधैव कुटुम्बकम की बात कहते है चरितानाम ये हमारा है ये दूसरे का गणना लघुचेतसाम कम बुद्धि वाले लोग है जिनका मन छोटा है उसकी गणना लघुचेत वाले से जिनकी चेतना में लघुता है जिनके मन में छोटी विचार धारा है वो इन बातो की गणना करते है एक अगम निगम यह मेरा है। वसुधैव कुटुम्बकम तब होता जै जब आपका मन अच्छा होता है।

आध्यात्म से जागेगी मन की चेताना

जब आप आध्यात्मिक होते है तब अपने और दूसरे के भाई, अपनी बेटी अपने नौकर, अपने पड़ोसी में अंतर नजर नही दिखाई देता है और ये अंतर नही दिखाई पडेगा इसकें लिए अपनी आंतरिक चेतना को अवश्य ही जगाना पड़ेगा। ऐसा नहीं है कि श्रेष्ठ गुण हमारे अंदर नहीं था। अगर हम एक ईश्वर की संतान है लेकिन किसी कहा जाता है कहते है वो गोरे है इनका रंग बड़ा अच्छा है तो कहते है ना कि ये तो अपने बाप पर गये है या कहते अपने फादर पर गये है इनकी आंखे उनकी नाक, कान सब कुछ अपनी फैमिली की तरह होता है जब हम ईश्वर की संतान है तो क्या जनेटिक मे उनके गुण हमारे अंदर नही होगें। ऐसे अवश्य ही वो गुण हमारे अंदर विद्यमान है समय के साथ कलान्तर में हम उसको भुलने लगते है ओर आध्यात्म से जुड़कर मन से कनेक्ट होकर उसी को वापस पाने का प्रयास करते थे। जो आध्यात्म के रास्ते में आपको मिल सकता है ओर यहॉ योग उसका एक बहुत अच्छा सुचारू माध्यम है। इसके लिए जो रास्ता है जिस प्रकार से ब्रह्माकुमारीज संस्थान में जो ज्ञान दिया जाता है। वह मनुष्य को श्रेष्ठ बनाने का कार्य करता है। मैने खुद इसका अनुभव किया हुआ है। आप और हम सब बहुत भाग्शाली है। यह कलियुग के अंत का समय है जब कलियुग का अंत समीप है। रात कटने वाली है सबेरा होने वाला है। इस समय हम और आप नए सुबह के लिए तैयारी करते हैं। इसलिए हम हम बहुत ही आभाग्यशाली होगें। एक ऐसा अवसर आपके पास आने वाला है जब आपका पूरा जीवन बदल जायेगा। जैसे ही आप ईश्वरीय ज्ञान को जीवन में उतारेंगे। मनुष्य का जीवन एक श्रेष्ठ जीवन है। इसके लिए व्यक्तिगत तौर पर नैतिक मूल्यों को जीवन में उतारने का प्रयास करना पड़ेगा। वर्तमान समय में यदि जीवन में सकारात्मक बदलाव और सुख शांति का रास्ता तलाशना है तो राजयोग से बेहतर कुछ नहीं हो सकता है। क्योंकि राजयोग एक ऐसी विधि है जो मनुष्य को सशक्त और मूल्यवान बना सकती है।

अच्छे गुणों का होना जरूरी

अच्छा इंसान बनने के लिए अच्छे गुणों का होना जरुरी है। खान-पान, रहन सहन और एक दूसरे का सहयोग के बिना समाज और व्यक्ति का विकास नहीं हो सकता है। परमात्मा ने यह यज्ञ रचा है और संसार की समस्त आत्माओं को इसमें विकारों की आहुति देनी चाहिए। जिससे उनके जीवन में एक अच्छाई और श्रेष्ठता की नींव पड़ सके। यही एक वक्त है जब बदलाव का मौसम है। परमात्मा स्वयं इस सृष्टि पर अवतरित होकर नयी दुनिया का राज्य भाग बना रहे है। ब्रह्माकुमारीज संस्थान ने पूरे विश्व में एक आदर्श समाज बनाने का नमूना पेश किया है। जब तक हम इसे स्वीकार नहीं करेंगे तब तक हमारा अन्दर का विकास नहीं हो सकेगा।

अमृत कण

संस्कृति की सशक्त वाहक

दुनिया मे संस्कृतियां बहोत है, धर्म बहोत है, राजनीति की दिशाएं बहुत है लेकिन भौतिकता की अग्नि में विश्व की मानवता दर्द है वह दर्द मानवता को शाश्वत शांति का संदेश देने की क्षमता अगर किसी मे है तो वह भारतीय संस्कृति मे है, हमारी संस्कृति में है और उसकी सशक्त वाहक प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय है।

- नरेन्द्र सिंह तोमर, खान, इस्पात एवं श्रम रोजगार मंत्री

सात्विकी प्रवृत्ति का माध्यम

जिसने शिवबाबा के ग्यान को इस संसार मे पूरे विश्व में प्रचारित करने मे अपना जीवन लगा दिया ये आप सब के जीवन मे सीखने की शिक्षा के निमित्त एक परिभाषा है। आप सब बहनों को देखकर यह लगता है कि जीवन की सात्विकी प्रवृत्ति परमपिता परमात्मा की सत्यभूमी भारत भूमी पर स्थापित है तो आप लोगों के माध्यम से है, आप लोगों के कार्यों के माध्यम से है।

-शंकराचार्य ओंकारानंद सरस्वती

हेल्थ, वेल्थ पॉजिटीव हो

मनुष्य के जीवन मे हेल्थ के साथ वेल्थ की भी जरूरत पडती है। यह चीजे तब अच्छी है जब उसके साथ मानसिक शांति है। इन तीनो चीजों के अंदर मानसिक सामंजस्य हो।

-करण देव कंबोज, खाद्य एवं आपूर्ति मंत्री, हरियाणा

शांति से हर काम हो जाता है

देखा जाए तो काम तो अपने हिसाब से होते रहते है। कितनी बडी बात है यह कि शांति से हम हर समस्या को टॅकल करे तो जरूर वह समस्या हल करने मे मजा भी आता है और शरीर का नुकसान भी नही होता।

-राखी राठौड, पार्षद, इन्दौर

हमारी संस्कृति सबसे अनूठी

ब्रह्माकुमारीज़ द्वारा आयोजित हैल्थ वैल्थ हैप्पीनैस फैस्टीवल के द्वारा भारतीय संस्कृति के ज्ञान को जनता तक पहुंचाने का जो प्रयास सिरसा मे किया गया है वो बड़े गौरव की बात है।

-कुलगुरू विजय कायत, देवी लाल विश्वविद्यालय

तीसरी आंख की खोज में हुआ परमात्मा का मिलन

शख्सियत

सिस्टर सिरोना ईश्वरीय सेवार्थ इजराइल में रहती हैं

सिस्टर सिरोना का जन्म ईस्राइल के ज्यूइज परिवार में हुआ। बचपन से ही आपको घूमने का बहुत शौक था। सन् 1983 में जब आप फ्राँस में थी उस समय ब्रह्माकुमारियों के सम्पर्क में आयी और कोर्स लिया। आपने विश्वविद्यालय की डिग्री प्राप्त की है। अमेरिका के बोस्टन शहर में आप ईश्वरीय सेवा के लिए 15 साल रहीं। बोस्टन विश्व-विद्यालय में प्राध्यापिका की नौकरी भी की। उसके बाद सन् 1988 से ईश्वरीय सेवार्थ ईस्त्राइल में रहती हैं।

मेरा जन्म अमेरिका में हुआ। मेरे माता-पिता ज्यूइज थे परन्तु धर्म की कट्टरता से दूर थे। माता-पिता हमें स्वतन्त्र रूप से अपने पाँव पर खड़े होने के लिए प्रेरित करते थे। जब 17 साल की थी, तब मैने घर छोड़ा विश्व भ्रमण के लिए। शिक्षा में मैंने यूनिवर्सिटी डिग्री पास की। ब्रह्माकुमारी बनने के बाद जब मुझे बोस्टन भेजा गया था तब ईश्वरीय सेवा के साथ-साथ मैंने बोस्टन युनिवर्सिटी में एज्युकेशन विषय पढ़ना शुरू किया।

भारत की संस्कृति करती थी आकर्षित

सत्तर के दशक में फ्राँस में राजकीय संगठनों के साथ काम कर रही थी, लोगों को आणविक अस्त्रों के दुष्परिणामों के बारे में जानकरी देती थी। उसके बाद अस्सी के दशक में मैं फ्राँस से भारत आयी, यहाँ की कुछ युनिवार्सिटीज में आणविक अस्त्रों के दुष्परिणाम के बारे में जानकारी देने । जब मैं भारतवासियों की आँखें देखती थी, तो वे मुझे न सिर्फ आकर्षित करती थीं परन्तु मुझे एक तरह का निमन्त्रण भी देती थीं। वो क्या था, क्यों था-उस समय मुझे समझ में नहीं आया था। अभी मालूम पड़ा कि उन आँखों में जो आध्यात्मिकता थी, वो मुझे आमन्त्रित कर रही थी। बचपन से ही मैं खुशी की तलाश में थी। जब मैं भारत में भ्रमण कर रही थी तब मुझे यह अनुभव हुआ कि मुझे जो खुशी चाहिए, वो यहाँ मिल सकती है। उस मेरे प्रवचन प्रवास में यह जानने कि लिए समय नहीं था कि इन आँखों के पीछे क्या है। मैंने सोचा था कि इस प्रवचन टूअर के बाद फिर से मैं अकेली इंडिया आऊँगी और आँखों के राज की तलाश करूगी। जब मैं फ्राँस में थी, तब भी मुझे विचार आया था कि भारत के लोगों की सेवा करूँ।

परमात्मा से मेरा सम्बन्ध सच्चे प्रेमी का

लौकिक में मेरा मानना था कि जीवन ही प्रेम के लिए है। शायद मैं लौकिक में इसीलिए दुःखी थी क्योंकि मुझे सच्चा प्रेम मिला नहीं था। जब बाबा को पाया, उनसे मिली तो उनसे मैंने शक्ति , शान्ति तथा सच्चा प्रेम पाया। मेरे लिए प्यार बहुत विशेष था, वह सच्चा प्यार मैंने बाबा की दृष्टि से, बाबा की बातों से पाया। परमात्मा का प्यार कितना श्रेष्ठ तथा शक्तिशाली होता है-यह मुझे मधुबन में अनुभव हुआ।

आत्मा को उपर उठने का हुआ एहसास

प्रवचन प्रवास पूरा करके जब मैं फ्राँस लौट आयी तो घर के पास ही ब्रह्माकुमारियों का एक पोस्टर लगा हुआ था। उससें से फोन नंबर लेकर मैंने फोन किया और कोर्स लिया। कोर्स लेना मेरे लिए बहुत विचित्र अनुभव था। कोर्स लेते-लेते मुझे बहुत खुशी हुई। तीन महीनों तक वहाँ ईश्वरीय ज्ञान का अध्ययन करने के बाद मैं इंग्लैण्ड गयी, एक सप्ताह की भठी के लिए। वहाँ मुझे बहुत शक्तिशाली अनुभव हुए। योग भठ्ठी में जो सिस्टर मुझे दृष्टि दे रही थी वह बहुत पाँवरफुल थी। मुझे यह अनुभव हुआ कि उस बहन की भ्रकुटि से दो हाथ निकले और मेरी भ्रकुटि से मुझे आत्मा को उठाकर ऊपर खड़ा कर दिया। मेरे, प्रेम तथा आनन्द के आँसू बह रहे थे। मैं लाल रंग की दुनिया में बाबा के प्यार में लवलीन हो गयी थी। एक बहन आकर मुझे जगाने लगी कि उठो, उठो, सब चले गये, आप भी चलो। जब मैंने होश में आकर देखा तो वहाँ कोई था, सब चले गये थे। इसके बाद यह मुझे पक्का हो गया कि मैं जो चाहती हूँ वह यही है और मुझे जिस मार्ग पर चलना है वह यही है। मुझे अच्छी नौकरी मिली थी, अच्छे दोस्तों का संगठन था, मुझे किसी चीज की कमी नहीं थी, फिर भी मैं दुःखी थी, खुशी नहीं थी। सच्ची खुशी की तलाश में थी। ईश्वरीय ज्ञान ने मुझे बहुत-बहुत खुशी दी। रिट्रिट के बाद दादी जानकी ने मेरे से कहा कि आप फ्राँस वापिस जाओ और अपने सारे काम पूरे करके लन्दन आओ। उसके बाद आपको क्या करना है, सोचेंगे। बाद में दादी ने मुझे अमेरिका के बोस्टन में भेजा।

किसी को भी जल्दी आता है ज्ञान

क्योंकि जैसे-जैसे मैं कोर्स लेती गयी, वैसे-वैसे मुझे अनुभव होता गया। बुद्धिजीवी होने के कारण ज्ञान स्पष्ट रूप से समझ में आता गया। लौकिक में मुझे जीवन के लक्ष्य के बारे में पता नहीं थी कि आध्यत्मिकता क्या होती है, उससे क्या लाभ होते हैं। खासकर जब मैं इंग्लैण्ड गयी भट्ठी करने, वहाँ मुझे सारा पता पड़ा कि ब्रह्माकुमारी जीवन क्या है, कितना श्रेष्ठ है इस जीवन के क्या-क्या नियम-मर्यादायें हैं। उस भट्ठी में मुझे बहुत अच्छे-अच्छे अलौकिक अनुभव हुए, जीवन धन्य महसूस हुआ।

पता हो अपना अस्तित्व

भारतीय सभ्यतों में भक्ति, पूजा, व्रत आदि जो हैं, बहुत अच्छे हैं लेकिन इनको करने वाले व्यक्ति को यह जानना चाहिए कि भक्ति करने वाला मैं कौन हूँ, किस लिए ये व्रत-नियम कर रहा हूँ । मैं जानती हूँ कि भारतवासी बहुत बुद्धिजीवी हैं, धर्मात्मा हैं। उनसे मेरी एक विनती है कि जब भी आपकी अन्तरात्मा से आवाज आती है, उसको सुनें और उसके अनुसार करें। क्योंकि मैं देखे रही हूँ कि बुद्धिजीवी कहलाने वाले, पढ़े-लिखे कहलाने वाले भारतवासी धर्म के बारे में मूँझ रहे हैं, भ्रम में आ रहे हैं या धर्म तथा आध्यात्मिकता के बारे में जानने के लिए संकोच कर रहे हैं। आने वाले दिन बहुत भयंकर हैं, उनका सामना करने के लिए हर व्यक्ति को आत्मिक शक्ति चाहिए। आत्मिक शक्ति आध्यात्मिक ज्ञान तथा साधना से ही आयेगी। इसलिए भारतवासी भाई-बहनों से मेरा यही नम्र निवेदन है कि वे आध्यात्मिक ज्ञान को समझें तथा जीवन में लायें । समाज में अगर कोई व्यक्ति सही रास्ते से खिसक जाता है तो उसके लिए मुख्यत: तीन कारण है। पहला है, दूसरों में त्रुटियाँ देखना, दूसरा है, कटू आलोचना करना और तीसरा है, स्वार्थवश वस्तुओं का संग्रह करना। यह संसार परमात्मा का बहुत सुन्दर तथा सुखदायी परिवार है। हम सब मनुष्यात्मायें उस परमात्मा की अनोखी रचनायें हैं, आपस में भाई-भाई हैं। एक-दूसरे के प्रति श्रेष्ठ भावना, सहयोग की भावना, कल्याण की भावना रखेंगे तो संसार स्वर्ग बनने में कोई संशय नहीं।

किसी चीज की अपेक्षा नहीं

इस जीवन में मेरे पास सब-कुछ है, और किसी चीज की अपेक्षा नहीं है। राजयोग मेडिटेशन से, परमात्मा के साथ सर्व सम्बन्धों को जोड़ने से आत्मा बहुत-बहुत ही आनन्द में मग्न रहती है, सन्तुष्टता तथा भरपूरता में डूबी रहती है। मुझे और कोई आशा नहीं रहती लेकिन एक आशा जरूर है कि ज्यादा से ज्यादा आत्माओं की सेवा करें, दुःखी आत्माओं को सुखी बनाये, परमात्मा-प्यार से वंचित्त आत्माओं का परमात्मा से मिलन करायें।

पहली बार अनोखा मिलन

जब बापदादा को देखा, मैंने अपने कल्प-कल्पान्तर के बाप को पहचान लिया। ईश्वरीय परिवार को देखा तो यही अनुभव हुआ कि यही मेरा सच्चा परिवार है। मैं बहुत खुश थी। मैंने बाबा से बहुत मीठी दृष्टि पायी। बाबा से कई बार मिलना हुआ क्योंकि बाबा उन दिनों हर दो दिनों में आते थे। बापदादा के आने से एक दिन पहले हमने एक ड्रामा किया था, ड्रामा में मेरा पार्ट था काहानी सुनाना और बाकी सब उसके अनुसार एक्टिंग करते थे दो दिन के बाद बाबा आये। मैं तो बापदादा के बहुत नजदीक ही बैठी थी। मैं बाबा को देख रही थी, बाबा को समझने की कोशिश कर रही थी, बाबा से अतीन्द्रिय सुख का अनुभव भी कर रही थी। मुरली पूरी हुई और बाबा सबसे मिलने लगे।

आप मुस्कुराते हुए नहीं सोच सकते कोई निगेटिव बात

हैप्पीनेस कमांड में निगेटिव का चांस नहीं

माइंड पावर

लेखक बीके शक्ति वर्ल्ड रिकार्ड होल्डर, माइंड, मेमोरी स्प्रीचुअल ट्रेनर व मोटिवेशनल स्पीकर हैं।

मन की स्थिति यदि खुशी की हो तो तुरन्त नकारात्मक मुश्किल होता है। क्योंकि शरीर के वे सारे अंग सकारात्मक और खुशहाली की दिशा में कार्य करते हैं जो उनसे सम्बन्धित हो। खुशी के बारे में मैं आपको बताना चाहूंगा। मैं आपको एक लाइव डेमो दूंगा जैसे मैं आपको कहता हूं कि आप एक स्माइल कीजिए, मुस्कुराइए। अब आप मुस्कुराते हुए कोई नकारात्मक सोच कर के दिखाइए। मतलब पहले आपको मुस्कुराना है और फिर कोई नेगेटिव थॉट सोचनी है, जैसे कोई चिंता की बात, कोई दुख की बात जो आपको हर्ट करती हो। सोचकर बताइए क्या आ सकती है। यह थोड़ा मुश्किल है क्योंकि अंदर रिएक्शन बदल जाएगा। ऑटोमेटिकली जब आप मुस्कुराते हैं, जैसे टी.वी. 1 एक है, एक टी.वी. 1 में एक बार दो चेनल नहीं चल सकते, एक समय में केवल एक ही चैनल चलेगा। जब आपने कमांड दे दी है हैप्पीनेस की तो नेगेटिव का कोई चांस ही नहीं है। जब आप मुस्कुराते हैं तब 50%-80% डिजीज से बच जाते हैं। आपके पास दो चॉइस है की जब आप मुस्कुराते हैं और जब आप मुस्कुराएंगे, कोई डिजीज आने का चांस नहीं है। आपके पास दो चॉइस रहती हैं हमेशा या तो आप मुस्कुराइए या तो 500000 रुपए का हेल्थ इंश्योरेंस करवाइए। तो जब आप मुस्कुराते हैं आप 80% डिजीज से बच जाते हैं, क्योंकि हम एक तार में चले जाते हैं जहां पर कोई बीमारी हमें टच भी नहीं कर पाती ना। मुस्कुराने में हमारा कोई पैसा खर्च नहीं होता है जब हम मुस्कुराते हैं तो हमें देख कर दूसरा भी मुस्कुराता है।

सदा मुस्कुराते रहो

सपोज आप कहीं गाड़ी में जा रहे हैं और आपकी किसी के साथ टक्कर होने वाली है यदि आपका चेहरा मुस्कुराता हुआ होगा तो सामने वाला भी मुस्कुराएगा और यदि आपका चेहरा गुस्से वाला होगा तो आपकी लड़ाई होने के चांसेस है। स्माइल में बहुत बड़ी पावर है। इसीलिए परमात्मा कहते हैं खुशी जैसी खुराक नहीं। बहुत बड़ी टेक्निक है जब हम मुस्कुराते हैं तो हर चीज से, बीमारी से, अपनी लाइफ में जिस भी चीज को हम पाना चाहते हैं तो हम उसे स्माइल से पा सकते हैं। हैप्पीनेस से पा सकते हैं। ब्रेन एक ऐसी कंप्यूटर है जिसके अंदर बहुत सारे सॉफ्टवेयर हैं, हार्डवेयर हैं, बहुत सारी चीजें एक साथ चल रही होती है। हम पूरे दिनचर्या में अगर देखें तो ब्रेन बहुत सारे काम एक साथ कर रहा होता है मल्टी टास्किंग कर रहा होता है। ऐसे में ब्रेन और कंप्यूटर इन दोनों के बीच में बहुत बड़ा अन्तर है। सबसे पहले मैं बताना चाहूंगा कि कंप्यूटर ने हमको बनाया, या, हमने कंप्यूटर को बनाया? तो मैं आपको बताना चाहूंगा कि यह सुपर नेचुरल कंप्यूटर क्या है, जैसे हम कंप्यूटर में देखते हैं कि हार्डवेयर सॉफ्टवेयर प्रोग्राम होते हैं। हार्डवेयर उसको कहते हैं जिसको हम देख सकते हैं छु सकते हैं उसको हम हार्डवेयर कहते हैं। हर एक सिस्टम में हार्डवेयर में हम देखेंगे कि दो चीजें होती हैं एक होता है इनपुट डिवाइस और दूसरा होता है आउटपुट डिवाइस। तो हम पहले समझेंगे इनपुट डिवाइस। इनपुट अर्थार्थ जहां से सूचनाएं अंदर जाती है।

जिस तरह से अगर आप कंप्यूटर के अंदर कुछ इनपुट करना चाहते हैं आप कौन सी डिवाइस का इस्तेमाल करेंगे? कीबोर्ड, माउस। इसी प्रकार यदि हम अपने सिस्टम में कुछ इनपुट करना चाहते हैं तो 5 इनपुट डिवाइस है उनका इस्तेमाल करते हैं जैसे आंख, कान, नाक, जीभ, त्वचा। इन ओर्गन्स की सहायता से अंदर स्टोर करते हैं। आंख के द्वारा 80% सूचनाएं अंदर जाती है। कानों के द्वारा जाती है। तो इन सूचनाओं को इनपुट करने के लिए इनपुट डिवाइस का यूज़ करते हैं। जो हमारे ह्यूमन सुपर नेचुरल कंप्यूटर का हिस्सा है।

ऊर्जा का पुंज है हमारा मस्तिष्क

हमने कंप्यूटर को बनाया। तब पावर किसमें ज्यादा होनी चाहिए? हमारी। होती किसकी है? कंप्यूटर की। क्योंकि सारी डिपेंडेंसी हमने कंप्यूटर को दे दी है। हमने कंप्यूटर को बनाया दुनिया की जितनी भी कंप्यूटर है, आई.बी.यम. टिप्स है,[ंटम कंप्यूटर सुपर कंप्यूटर इन सब कंप्यूटर के निर्माता है। तो वह हम हैं इसलिए हमने एक कंप्यूटर का इजाद किया जिसका नाम है सुपर नेचुरल ह्यूमन कंप्यूटर। हमारे कंप्यूटर में इतनी जबरदस्त शक्ति है कि हम 3 ट्रिलियन डाटा को एक सेकंड में प्रोसेस कर सकते हैं और लाखों-करोड़ों लाइब्रेरीज को। हमने अपनी सब कॉन्शियस माइंड में रख सकते हैं। ब्रेन जो की एक बहुत बड़ी उर्जा है। अपने आप में एक ऐसी मशीन है जिसमें बहुत सारे विचार एक साथ चल रहे होते हैं।

शरीर को स्वस्थ और सुडोल बनाता है चक्रासन

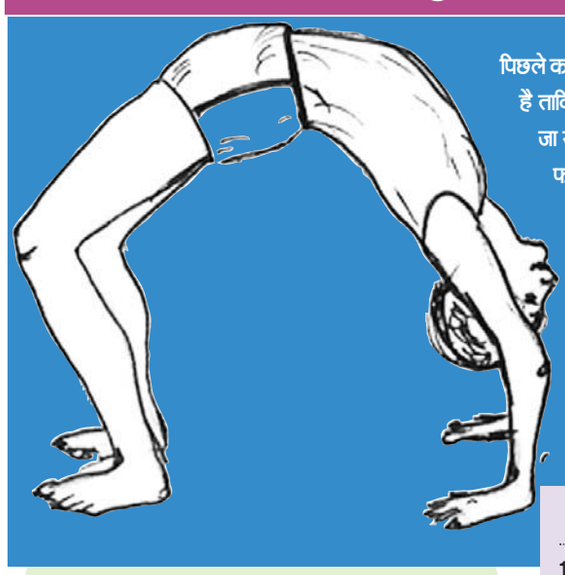

पिछले कई अंकों से हम आसनों के बारे में बता रहे है ताकि शरीर के साथ मन को भी स्वस्थ रखा जा सके। इसके तहत इस बार चक्रासन के फायदे और तरीके के बारे में बता रहे हैं। चक्र का अर्थ होता है पहिया, इस आसन को करने पर शरीर की आकृति चक्र के सामान नजर आती है इसलिए इस आसन को चक्रासन कहा जाता है। धनुरासन के विपरीत होने की वजह से इसे उर्ध्व धनुरासन भी कहते है। योग शास्त्र में इस आसान को मणिपूरक चक्र कहा जाता है।

रीढ़ की हड्डी होती है मजबूत

- चक्रासन को करने से शरीर व् रीड की हड्डी मजबूत और लचीली होती है, साथ साथ अन्य क्रियाओं में भी सहायक होता है। वास्तव में यह आसान धनुरासन, उल्ट्रासन और भुजंगासन के लाभ एक साथ पहुंचाता है। इस आसन का प्रतिदिन अभ्यास करने से न्यूरोग्लिया कोशिकाओं का निर्माण होता ह।
- न्यूरोग्लिया रक्षात्मक और सहायता कोशिकाएं होती है तथा यह मेरुरज्जु या मष्तिष्क का 40 प्रतिशत हिस्सा होता है। यह कोशिकाएं केंद्रीय तंत्रिकाओं को बिमारियो से बचाती है। यह आसन थोड़ा कठिन होता है। इसलिए इस आसान को करने से पहले अर्धचक्रासन का अभ्यास करना चाहिये। इसके पश्चात चक्रासन का अभ्यास करना चाहिए। अर्धचक्रासन करने के लिए, दोनों पेरो के बीच 1 फीट का अंतर बनाकर खड़े हो जाय। फिर दोनों हाथो की उंगलियो को एक दूसरे में फसाकर हाथो को सिर के ऊपर रखे। इसके बाद हाथो को ऊपर करते हुए पूरे शरीर में खिंचाव लाएं। अब शरीर को कमर से पीछे की ओर हल्का सा झुकाते हुए ऊपर की और देखें। इस स्थिति में 1 से 2 मिनट तक रहे और फिर सामान्य अवस्था में आ जाएं। इस प्रकिया को 5-10 बार करें। अर्धचक्रासन को करने से आपका शरीर धीरे-धीरे चक्रासन करने की स्थिति में आ जायेगा। जिसे आप आसानी से कर पाएंगे।

चक्रासन करने की विधि

1. सबसे पहले स्वस्छ और समतल जमीन पर चटाई या आसन बिछा लें। 2. अब जमीन पर पीठ के बल शवासन की स्थिति में लेट जाये 3. फिर दोनों पेरो के बीच एक से डेढ़ फीट का अंतर बनाये तथा पेरो के तलवो और एड़ियो को जमीन से लगाएं। 4. अब दोनों हाथो की कोहनियो को मोड़कर, हाथो को जमीन पर कान के पास इस प्रकार लगाएं कि उंगलियाँ कंधों की ओर तथा हथेलिया समतल जमीन पर टिक जाये। 5. अब शरीर को हल्का ढ़ीला छोड़े और गहरी साँस लें। 6. पैरों और हाथो को सीधा करते हुए, कमर, पीठ तथा छाती को ऊपर की ओर उठाएं। सिर को कमर की ओर ले जाने का प्रयास करें तथा शरीर को ऊपर करते समय साँस रोककर रखे। 7. अंतिम स्थिति में पीठ को सुविधानुसार पहिये का आकर देने की कोशिश करें। 8. शुरुवात में इस आसन को 15 सेकंड तक करने का प्रयत्न करें। अभ्यास अच्छे से हो जाने पर 2 मिनट तक करे। 9. कुछ समय पश्चात् शवासन की अवस्था में लोट आएं। यह आसन समान्य आसनों से थोड़ा कठिन होता है इसलिए इस आसन को योगाचार्य की उपस्थिति में करें। प्रतिदिन धीरे धीरे अभ्यास करते रहेंगे तो आप भी इसे आसानी से कर पाएंगे लेकिन प्रारम्भिक दौर में भी शरीर पर अत्यधिक दबाव डालें।

गॉडलीवुड स्टूडियो में उत्तरोत्तर वृद्धि

परमात्मा का अनुपम उपहार गॉडलीवुड स्टूडियो लगातार अपनी उंचाईयों को छूता जा रहा है। इससे लोगों का रूझान तेजी से बढ़ता जा रहा है। सभी भाषाओं में प्रसारण सामग्री का प्रोडक्शन लगातार देश और दुनिया के विभिन्न स्थानों पर लोगों के पास पहुंचता जा रहा है। आने वाले समय में इसके और विस्तार होने की सम्भावना है। बच्चों से लेकर बुजुर्गों तथा सभी धर्मों एवं सम्प्रदायों के लोगों के लिए विभिन्न प्रकार के प्रोग्राम बनाना और उसके विभिन्न माध्यमों द्वारा दिखाया जाना अपने आप में एक चुनौती है। क्योंकि इससे ही लोगों को एक मूल्यवान जीवन बनाने में मदद मिलेगी। आज पूरा समाज और युवा पीढ़ी अपने मार्ग से भटकती जा रही है। ऐसे में उन्हें संस्कार देना ओर जीवन को सकारात्मकता की ओर मोड़ना जरूरी है। इस मकसद में ब्रह्माकुमारीज संस्थान का गॉडलीवुड स्टूडियो दिन रात अथक मेहनत में डूबा हुआ है। इसमें कार्य करने वाले लोगों का डेडिकेशन और कमिटमेंट इस सफलता में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। यही वजह है कि समाज में इसकी मांग दिनोदिन बढ़ रही है। परमात्मा ने जो हमें दिया है उसे लोगों तक पहुंचाना हमारा परम कर्त्तव्य है।

- बीके हरीलाल, कार्यकारी निदेशक, गॉडलीवुड स्टूडियो, मनमोहिनीवन, शांतिवन

दादी जानकी जी

ज्ञान का सिमरण करो तो मन शान्त और शीतल हो जायेगा

ज्ञान का सिमरण करने से खुशी होती है। सिमरण तब होता है जब अन्दर ज्ञान अच्छा लगता है। सिमर-सिमर सुख पाओ, कलह कलेष मिटें सब तन, मन के। मन में जो थोड़ा क्लेष होता है, गुस्सा और कलेष में फर्कहै। अन्दर क्यो बोले, अच्छा नहीं लगता है। मन का जो कलेष है वह तभी मिटेगा, जब हम शीतल और शान्त रहे ज्ञान का सिमरण करें।

बाबा ने बहुत मीठी-मीठी बातें सुनाकर सार रूप में कहा कि सारे ज्ञान का सार है- मन्मनाभव और मध्याजीभव बस मन्मनाभव में सब आ जाता। किसको याद करना है, कैसे करना है। उसमें फिर मध्याजी भव स्वर्ग की याद आती है, तो स्वर्ग के रचयिता के रचयिता की भी याद आती है ज्ञान का सिमरण करो तो व्यर्थ चिंतन से फ्री है, या होगा सिमरण या होगा चिंतन । चिंतन व्यर्थ हो सकता है लेकिन ज्ञान का सिमरण किया तो बाप की याद आती है, स्मृति आती है। किसी भी प्रकार के चिंतन में गये माना क्यों, क्या में गये तो बाबा से दूरी दिखाई पड़ती है। ज्ञान का सिमरण किया तो बाबा की याद आई।

सिमरण में दो बातें है- एक मैं आत्मा हूँ, मन नाचता है, बुद्धि सूक्ष्म महसूस करती है, सस्कार उनसे सूक्ष्म है। मन बहुत प्रकार से सोचने वाला है, बुद्धि शान्ति चाहती है लेकिन मन होने नहीं देता है। बुद्धि को ज्ञान मिलता ही है मन को कन्ट्रोल रखने के लिए, संस्कारों को बदलने के लिए। आत्मा को पवित्र बना रहें है स्वर्ग में जाने के लिए, स्वर्ग का राज्य लेने के लिए, बाबा ने ज्ञान सुनाया, हमने सिमरण किया, हर आत्मा में अपना रिकार्ड भरा हुआ है, यह ज्ञान परमात्मा ने दिया शान्त शीतल होने के लिए, इससे संस्कार शुद्ध बन जाते है। फिर कहेंगे आत्मा पवित्र हुई।

बाबा ने पवित्र कैसे बनाया? जब हमने ज्ञान को सिमरण किया, यह ज्ञान अन्दर ही अन्दर धुलाई का काम करता है। सोने से ,ाद निकालते है उसके लिए आग अलग होती है। लोहे को गलाने की आग अलग होती है। आत्मा में कैसे खाद पड़ती गई, इतनी छोटी सी आत्मा के अन्दर इतनी खाद पड़ गई- कर्मो के द्वारा। देह संबंध में देह अभिमानी में आयो, फिर 5 विकारों ने मिलकर आत्मा को अशुद्ध बनाया, सारा झूठ अन्दर भर गया। अब फिर झूठ को बाहर निकालना, ओरीजिनल जो सचा थी, कर्मो के हिसाब-किताब जो भर गये वह शुद्ध बनें, इस बात को समझना फिर उसको इतना शुद्ध बनाना, कितनी अन्दर गुप्त मेहनत है। आत्मा को पवित्र बनाना है, फिर सेवा भी करनी है। जिसने खुद को कोर्स कराया हुआ है अच्छी तरह से वह दूसरों को भी करा सकता है। आत्मा-अभिमानी बना सकता है, परमात्मा से स्नेह जुटा सकता है। निमित्त दूसरे को सामने बिठाओ लेकिन अपने को बैठकर कोर्स कराओ, पढ़ाओ। अगर एक घण्टा दूसरों को

पढ़ाने के लिए तैयार करते, तो अपने आपको कभी एक हो सकता है? जो बाबा ने समझाया है वह मैं अपने को पढ़ाऊं तो यह पक्का हो सकता है, यह बाबा ने मुझे पढ़ाया। यह बातें और कोई पढ़ा ही नहीं सकता। बुद्धि महसूस करती है कि यह बातें वेद शास्त्रों में हैं ही नहीं7 तो सिमरण करते-करते पक्का हो गया पढ़ाने वाला कौन, उनसे योग लग गया। छोटी-छोटी बातें कोई सामने आई फिर मन्मनाभव यानी मन को इधर-उधर की बातों से फ्री करके बाप में लगा दो। समेटने, सहन, करने की शक्ति यह सब विस्तार का ज्ञान अभी सुना है, मन्मनाभव होने से आटोमेटिक सब शक्तियाँ आ जाती है। अपना काम करने लगती है।

ज्ञान में छिपा प्रेम का स्वरूप

ज्ञान से प्रेम का स्वरूप दिखाई देता है। बाबा ने जो कहा मम्मा की बुद्धि ने माना। माननीय क्वालिटी वही बनता है जो स्वमान में रहता है, किसी का अपमान नहीं करता, सबको मान देता है है। यह सब तब होगा जब ज्ञान सिमरण होगा। व्यर्थ चिंतन करने से बुद्धि स्वच्छ होकर माननीय क्वालिटी नहीं बनती है। स्वमान में रहे और दूसरों को स्वमान दिलावे । वह अपमान करे मैं स्वमान याद दिलाऊं, ऐसी क्वालिटी तभी बनेगी जब पहले मैं अन्दर से स्व-स्तिथि बनाकर स्वमान में रहूं, बाबा को साथी बनाकर रखूं तो बाबा हमारा मान शान और आगे बढ़ायेगा। कितनी भी परेशान करने वाली बातों में परेशान नहीं होंगे। बाबा की हर बात को मान लिया, दूसरा स्वमान में रहे तो परेशान नहीं होंगे। फिर हमारी बात भी सब मानेंगे। हमारी ऐसी क्वालिटी बाबा ने बनाई, स्मृत्ति दिलाई, आत्मा शुद्ध हो गई, खाद निकल गई, आत्मा सतोप्रधान बनी, लायक बनी, सर्विसएबुल बनी तो बाबा के दिल के अन्दर हमारे लिए मान रहा, बाबा ने हमको एकसा क्वलिटी वाला बनाया फिर जो आत्मा सामने आयेगी, वह हर बात मानेगी। यह है अपने आपको पढ़ाना। सच्चाई सफाई से आत्मा सहज ही स्वीकार कर लेती है। अच्छी बात स्वीकार करने के लिए दिल खुली है तो सामने वाली आत्मा भी स्वीकार कर लेती है। जैसे सवेरा होते ही सब कुछ चेंज हो जाता है, नुमाशाम हो जाता है। तो सदा खुश रहना और खुशी बांटना यह है - सच्ची सेवा। खुश रहो और खुशी बांटो, कैसे बांटेंगे? वृत्ति और वायब्रेशन से। दूर बैठे भी कोई याद करे तो खुश हो जाए। सामने वाला भले न हो। जैसे कोई इंसान याद करता है, तो चेहरे पर आता है। जिससे दुख मिला होगा तो वह याद आते ही दुख आ जायेगा। जहाँ से खुशी मिली है, उसे याद किया तो खुशी आ गई। तो सेवा क्या है? खुशी देना।

प्रसन्नता के लिए किसी बाहरी वस्तु पर न रहें निर्भर

हर कोई प्रसन्नता और आनन्द की तलाश में

मनुष्य समाज में जितना भी कार्य कर रहा है उसका एक ही मकसद है जीवन में शांति और आनन्द को लाना है। जो कुछ भी पुराना और साधारण है, अब उससे विदा लेते हुए , अपने भीतर की सुंदरता को जगाने का समय आ गया है। वह समय आ गया है कि हम लोग जागें और एक नई सोच, एक नए नजरिए से जीवन की जिम्मेवारी स्वयं लें।

सुरेश ओबेरॉय : प्रसन्नता का क्या अर्थ है।

सिस्टर शिवानी: हम क्या कर रहे हैं, हमने कैसे संबंध बनाए हैं, हम क्या प्राप्त करना चाह रहे हैं और ऐसे बहुत सी बातों के साथ, हम सभी जीवन में प्राप्त करना चाह रहा हैं। अगर हम जीवन के बारे में सोंचें,तो स्पष्ट दिखाई देता है कि हम सभी प्रसन्नता व आंनद की तलाश में हैं।

सुरेश ओबेरॉयः जैसा कि आपने कहा, हम सभी प्रसन्नता की तलाश में हैं। परंतु हम किस माध्यम से इसकी तलाश कर रहे हैं।

सिस्टर शिवानी : हम इसे अलग-अलग साधनों से तलाश करते है -यह किसी भी तरह के साधनों - सामान, संपत्ति, संबंध, उपलब्धियों और अच्छे है कि वे आपने जीवन के माध्यम से हो सकता है। जैसे आप किसी से पूछते हैं कि वे अपने जीवन में क्या पाना चाहते है, तो वे प्रायः उत्तर देते हैं कि वे सफलता पाना चाहते हैं। वे सफलता क्यों पाना चाहते हैं, क्योंकि इससे उन्हें खुशी मिलती है। आप उससे पूछते हैं कि आप किसी खास वस्तु को क्यों खरीदना चाहते हैं। उसमें से अधिकांश का उत्तर यही होता है कि इससे उन्हें या उनके परिवार को प्रसन्नता होगी। आप किसी से पुछते हैं कि उन्हें किसी संबंध से क्या मिलता हैं। और फिर उत्तर मिलता है कि उन्हें संबंधों से प्रसन्नता मिलता है। तो कुछ मिला कर सभी एक ही चीज की तलाश में हैं-खुशी

सुरेश ओबेरॉय : परंतु यह प्रसन्नता सीमित है अथवा असीमित? यह तो सीमित होती है, ऐसा ही है न?

सिस्टर शिवानी : जी ऐसा ही है। हम तो ये तक नहीं जानते कि क्या ये सच्ची खुशी है।

सुरेश ओबेरॉय : तो क्या यह क्षणिक होती है-जैसे कोई बालक किसी खिलौने से खेलता है, उसे तोड़ देते है और उसके बाद वह अपने लिए नया खिलौने से खेलना चाहता है, फिर दूसरे खिलौने से खेलता है और इस तरह यह सिलसिला जारी रहता है। दरअसल हकीकत में हम चाहते क्या हैं? यदि हम प्रसन्नता की तलाश कर रहे हैं, तो क्या इसे ठोस और स्थायी नहीं होना चाहिए?

सिस्टर शिवानी : इसे स्थाई होना चाहिए, यही सबसे अहम बात है। अगर प्रसन्नता हमें पसंद है, अगर प्रसन्नता की हम इच्छा करते हैं, अगर ये हमारा स्व-भाविक रूप है, तब यह अन्य किसी बाहरी वस्तु पर निर्भर नहीं बनी रहने वाली नहीं हो सकती। अगर सादे शब्दों में कहा जाए, यदि आप इसे कहीं बाहर तलाश रहे हैं, तो आप उस वस्तु पर निर्भर हो रहे हैं और यह भावना लंबे समय तक बनी नहीं रहेगी। मान लेते हैं, अगर मौसम खुशनुमा हो और आपको बहुत अच्छा लग रहा हो। तब आपका अच्छा लगने का भाव, मौसम पर निर्भर हो गया।

सुरेश ओबेरॉय : बिलकुल सही कहा आपने पर यह समझना चाहता हूँ कि कोई व्यक्ति इच्छाओं या निर्भरता के बिना प्रसन्नता कैसे पा सकता है?

सिस्टर शिवानी : संभवतः यह सबसे पुराने विश्वास तंत्रों में से एक है, जिसे हमने अपने जीवन का एक हिस्सा बना रखा है-यह विश्वास कि हमें कहीं बाहर से प्रसन्नता को आर्जित करनी होगी, फिर भले ही वह उपलब्धियों से आए, दूसरे लोगों से मिले या हमारी वर्तमान स्थिति का नतीजा हो। मैं यह काम इसलिए कर रहीं हूँ क्योंकि इसे करने से मुझे खुशी हांसिल होगी यह हमेशा यही समीकरण रहता है। जब कोई काम पूरा होगा और सही तरह से संपन्न होगा, तब ही हमें खुशी होगी। तो, यहाँ खुशी काम के सही तरह से संपन्न होने पर निर्भर है। किसी बच्चे को बचपन से यही संस्कार दिया जाता है कि अगर वह अच्छे अंक लाएगा तो माता-पिता प्रसन्न होंगे, जब वह अच्छा प्रदर्शन देगा, जब वह सुदर दिखेगा, तो उसके माता-पिता को अच्छा लगेगा, वे उससे खुश होंगे। धीरे-धीरे बच्चे के मन में यह बात बैठ जाती है कि अगर उसके माता-पिता प्रसन्नता अनुभव करेंगे, तब ही उसे भी प्रसन्नता होगी और अगर उसके माता-पिता ही प्रसन्न नहीं हैं, तो वह प्रसन्नता का अनुभव कैसे कर सकता है?

सुरेश ओबेरॉय : क्या आप कोई आसान उपाय बात सकती है या कोई ऐसा तरीका बता सकती हैं, जिसके माध्यम से हम प्रसन्न के अर्थ को समझ सकें और यह समझ सकें कि इसे किसी भी तरह की निर्भरता के बिना कैसे हासिल किया जा सकता है?

सिस्टर शिवानी : पहले तो हमें यह जानने का प्रयास करना है कि हमारी खुशी किस बात पर निर्भर हो रही है। रोजमर्रा के जीवन में, हम प्रायः जिस निर्भरता का अनुभव करते है, वह वस्तुओं के लिए ही होती है। जैसे-जब मैं एक नई कार खरीद लूँगा, तो मुझे बहुत खुशी होगीः मुझे अपने लिए नई संपत्ति खरीदने पर बहुत खुशी होगी : मुझे शॉपिंग के लिए जाने से बहुत खुशी मिलती है।

जीवन को पलटाने वाली एक दिव्य-कहानी

रियल लाइफ

आज तक संसार में अनेकानेक विशिष्ट व्यक्तियों की जीवन-काहानियाँ लिखी गई हैं। परन्तु इस लेख-माला में एक ऐसे अनोखे मानव का जीवन-वृत्तान्त दिया गया है जिसके जीवन में एक अनुपम और अद्भुत परिवर्तन आया और जिसने अपने जीवन को सम्पूर्ण रीति से प्रभु को अर्पण करके प्रभु से सर्वस्व पा लिया। इसमें एक ऐसी निराली आत्मा के जीवन का उल्लेख है जिस आत्मा ने संसार में एक ऐसा कार्य किया जो अन्य कोई भी मानव नहीं कर सका। यह जीवन-कहानी क्या है, यह नर से श्री नारायण अथवा मनुष्य से फरिश्ता बनने का एक मनोहर वृत्तान्त है जिसे हमने वर्तमान जीवन में अपनी आँखों से देखा है। इस जीवन-कहानी के साथ संसार के इतिहास के बहुत ही महत्त्वपूर्ण वृत्तान्त जुड़े हुए हैं और इसके एक भाग के साथ संसार के साथ स्वयं दु:खहर्ता, सुखकर्ता ने संसार को एक नया दिशा-निर्देश दिया है और अनेकानेक नर-नारियों के जीवन को महान बनाया है। अत:स्वाभाविक है कि इस जीवन-कहानी को पढ़ने से मनुष्य के जीवन को एक नया मोड़ मिलता है और सच्ची शान्ति तथा अपार आनन्द की अनुभूति की चाबी उसके हाथ लग जाती है।

बात सन 1936-37 की है। तब सिन्ध में हिन्दू समाज की धार्मिक दशा बहुत ही बिगड़ चुकी थी। कई शताब्दियों से मुसलमानी, क्रिस्तानी तथा पाश्चत्य का प्रभाव पड़ने के कारण हिन्दू लोगों का खान-पान तमोप्रधान अथवा भ्रष्ट हो चका था। शराब और माँसाहार का आम रिवाज था। लोग भक्ति करते थे परन्तु वे जितना पाठ-पूजा करते थे उतना ही उनमें धन के लिए लोभ, व्यवहार में क्रोध, घर में मोह तथा मन में वासना भी भरी हुई थी। निरर्थक एवं खर्चीली रस्में और थोथे रिवाज समाज को घुन की तरह खोये चले जा रहे थे। पुजारी, पण्डित और उपदेशक, लोगों से धन बटोरते थे परन्तु वे उनके घर-गृहस्थ को पवित्र, सदाचार-युक्त एवं शान्ति सम्पन्न बनाने वाला वास्ताविक ज्ञान नहीं देते थे क्योंकि वे केवल कर्मकाण्डी और शस्त्रपाठी ही बन गये थे। यद्यपि लोगों के पास धन था तथापि उनका घरेलू जीवन मनोविकारों और अशान्ति के कारण तथा सात्विकता के अभाव के कारण नरकमय बन गया था। माताओं की दशा विशेष तौर पर चिन्ताजनक थी। उनका स्थान केवल घर और बाल-बच्चों को संभालने वाली दासी-जैसा था तथा वे अपने पति की वासना-तृप्ति ही के लिए थीं। चाहे पति शराबी-कबाबी हो और विषय-वासना में ही डूबा रहता हो परन्तु स्त्री के लिए वह परमेश्वर और गुरू मानने के योग्य समझा जाता व्यापारी वर्ग के लोगों के यहाँ कन्याएँ प्राय: अशिक्षिता-सी रहती थी और माताएँ प्राय: बड़े-बड़े घूँघटों में मुँह छिपाकर शादी आदी रस्मों में सम्मिलित होता थीं या तो वे प्राय: घर की चार-दीवारी में विचित्र वेश-भूषा में ही रहती-सहती थीं। उन्हें पुरूषों के बायें पाँव की एड़ी माना जाता था। उन्हें धर्म-प्रचार का प्राय: कोई अधिकार नहीं था, न ही उन्हें संन्यासियों की तरह ब्रह्मचर्य व्रत पालन करने का कोई हक था। घोर कलियुग की इस बेल में सभी आत्माएँ अपने विकारी संस्कारों अथवा कर्मो की बेड़ियों में बंधी हुई थीं। सभी लोग अज्ञान-निद्रा में मूर्च्छित-से हुए पड़े थे और कहीं भी प्रकाश की एक किरण भी दिखाई नहीं देती थी। ब्रह्मा की रात्रि का वह अत्यन्त अन्धकारमय पल था। ..... क्रमश:

उनके स्वभाव में भा चुम्बकीय आकर्षण

ऐसे वातावरण में हैदराबाद-सिन्ध में एक निराले व्यक्ति थे, जिन्हें लोग स्नेह से दादा कहते थे। परन्तु फिर भी उनमें बहुत विशेषताएँ थी। यदि कहीं सौ व्यक्तियों के बिच वे जा रहें हों तो वे सभी से न्यारे और प्यारे प्रतीत होता और झट पहचाने जा सकते थे क्योंकि उनकी आकृति-प्रकृति, उनके कद-बुत और व्यक्तित्व में एक अवर्णनीय मनमोहकता थी और उनके व्यवहार में विशेष मधुरता और मृदुलता थी। उनके सम्बन्ध में स्नेह तथा सहदयता थी और उनके स्वभाव में एक चुम्बकीय आकर्षण था। उनके बाल, उनकी चाल, उनका रहन-सहन, उनका विशाल एवं उन्नत मस्तक, उनके नयन-बैन, उनका मुख-मण्डल, उनका विशाल एवं उनके बाल, उनकी चाल, उनका रहन-सहन, उनका शिष्टाचार और उनकी अच्छी मित्रता थी और वे सिन्ध के लोगों के स्नेही थे।

चारों ओर बिखरा है ज्ञान, फिर भी क्यों हैं तनाव

समस्या-समाधान

एक बार यमराज और चित्रगुप्त आपस में चर्चा कर रहे थे कि संसार में बहुत सारा ज्ञान है, लकिन फिर भी खुश क्यो नहीं है आज कल तो सोसल मीडिया में, व्हाटसप के द्वरा, या फेशबुक के द्वारा बहुत सारा अदान प्रदान होता रहता है। फिर भी लोगों के चेहरे पर खुशी क्यों नहीं है, यमराज जी पूछते है चित्रगुप्त से, चित्रगुप्त कहते है महाराज मैं कल आपको व्हाटसप किया था। सुन्दर सा मैसेज कि सर्वसमस्या का समाधान एक भगवान आपने वो देखा तो यमराज जी ने कहा ह,ह,ह तुमने भेजा होगा तो बहुत अच्छा रहा होगा और शीर्सक बहुत अच्छा था मैंने ऊपर नीचे देखा और फिर सबको फॉरवर्ड करने लगा, और तुम जानते हो तुम बहुत लाईकस मिली और तो और लोगों ने मुझे भी फॉरर्वर्ड करने लगे है। चित्रगुप्त ने कहा वो तो बात ठीक है लकिन क्या आपने महाराज उसे गहराई से मनन चिन्तन किया कि कैसे इसे अमल में लाया जा सकता है तो यमराज जी ने थोड़ा सा उदास होते हुए कहा मैं उस पे मनन चिन्तन तो नहीं किया। और न ही विचार किया कि उसे कैसे जीवन में लाया जा सकता है अमल में लाया जा सकता है मनुष्य भी कैसे इसे अमल करे ताकि सर्वसस्याओं का समाधान हो सके। चित्रगुप्त ने कहा कि महाराज तो बस यहीं बात है सभी अच्छे-अच्छे मैसेजस फॉरवर्ड करने में लगे है लकिन उसे अमल में लाने का टाईम किसी के पास नहीं है यदि इन अच्छी बातों को व्यक्ति अमल लाये जीवन में उतार लें। तो उसका जीवन खुशहाल हो जायेगा। और सभी समस्याए वैसे भी दूर हो जाएगी, तो कितनी सुन्दर चर्चा थी सचमुच देखे तो सुबह से रात तक बहुत अच्छी बातों को फॉरवर्ड तो करते है। तो क्यों न हम एक मैसेज पर फोकस भी करें उसे आचरण में लाने का विचार करें इससे जीवन भी खुशनुमा बनेगा, और समाज भी चलेगा।

प्रश्न : सर्वसस्याओं का समाधान हो, तो जीवन भी खुशनुमा बनेगाआपके पास भी बहुत सुन्दर मैजेस आते होगे?

उत्तर : हा बिल्कुल आते है और उनमें से जो बहुत अच्छे होते है कुछ सूचनाएँ होती है और कुछ बहुत अच्छी चीजे जो सीखने की होती है हम उन्हें सीख लेते है, मैं तो सोच रहा था कि अमल करने में जीवन अमूल्य बन जायेगा बस क्या करना है बड़े की मात्रा दे देनी है सचमुच अगर मनुष्य किसी भी बात को चिन्तन करे स्वीकार करे तो जीवन में आ जाता है इतना थोड़ा सा ही रहस्य है बस ना स्वीकार करना जीवन में ना आना स्वीकार कर लेना माना जीवन में धारण कर लेना। तो जो भी सुन्दर बाते हमें मिलती है व्हाटसप के द्वारा कैसे भी जीवन में कही भी कही अच्छा श्लोगन लिखा होता है उस पे हम चिन्तन करे। अन्दर चले जाए अपने और उसे स्वीकार कर लें (इट सोर मी) बस उदाहरण हो जाएगी। और सदा के लिए हमारी हो जायेगी, व्हाटसप का मैसेज तो हम डिलीट कर देते है लेकिन वो चीज सदा के लिए हमारी हो जाएगी, और समा जएगी।

प्रश्न : विचार बहुत गहराई से करना चाहिए, ताकि जीवन बहुत सुन्दर और अमूल्य बने। जैसे आपने कहा स्लोगन भी कहीं लगे होते है, मैंने इस परिसर में कहीं पढ़ा जब मैं स्टूडियो आ रहा था। तो यदि रिगार्ड देने का रिगार्ड बजाते रहते है, तो सभी लोग आप से सन्तुष्ट रहते है और आपको भी बहुत खुशी होती है मुझे बहुत बेहद खुशी हुई इसकी बहुत जरूरत है आज कि रिगार्ड देने का रिगार्ड बजते रहना चाहिए।

उत्तर : बिल्कुल ये चिंतन योग्य बातें है सैम्पुल भाषा में कि हम दूसरों रिगार्ड देते रहे तो हमारे रिगार्ड देने का रिकॉर्ड बहुत सुन्दर हो जाएगा। रिगार्ड देने से सन्तुष्टा क्यों आती है मानलो परिवार में पांच लोग है एक बड़ा व्यक्ति है उसके पास सारी अपनी इच्छाऐं अपच्छाऐं लेकर जाते है अब वो ना कर सकता है नहीं ये बिल्कुल नहीं होगा। शब्द भी कुछ रफ बोल सकता है, तुम ये क्या बार - बार लाते हो। इससे असन्तोष हो जायेगा पूरे परिवार में और बड़ा व्यक्ति है छोटो को भी सम्मान देता है और उसका छोटा बच्चा आता है पापा ये सुन्दर समय चल रहा है आज तो दिवाली है या धनतेरस है या गुरूपूणिमा है आज हमें एक लेपटॉप चहिए और प्यार से कहता हा क्यों नहीं बेटा एक क्या हजार दिला दें। लेकिन वो भले ना दिलायें बच्चा खुश होकर जाएगा। एक पूरे परिवार में सन्तुष्टा का महोल हो जाएगा। तो अच्छे शब्दों

यह चर्चा गॉडलीवुड स्टूडियो द्वारा पीस ऑफ माइंड चैनल पर चलाये जा रहे समाधान एपिसोड है। लोगों की मांग पर यह प्रकाशित किया जा रहा है। राजयोगी बीके सूरज एक वरिष्ठ राजयोगी है जिससे हजारों लाखों लोगों की जिन्दगी में सकारात्मक बदलाव आया है।

पत्र व्यवहार का पता : समस्या समाधान, शिव आमंत्रण ऑफिस, शांतिवन आबू रोड, राजस्थान, जिला सिरोही फोन : 9414172596 shivamantran@bkivv.org

रोग की पहचान व सही उपचार करना जरूरी

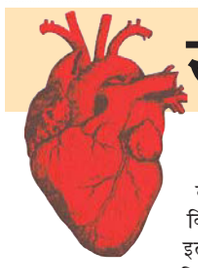

रोगों को पहचान कर उसे बचाव करना ही बीमारी से बचना है

किसी भी बीमारी का इलाज उसकी पहचान पर निर्भर होती है, जल्दी बीमारी पकड़ में आएगी तो इलाज भी आसान होगा। बीमारी को समझना और पहचानना ही बीमारी से छुटकारा पाना है

हृदय रोग : पुरी दुनिया में हृदय रोग सबसे बड़े घातक खतरों में से एक है। फिल्मों में दिखाया जाता है कि व्यक्ति हृदय पर हाथ रखकर जमीन पर गिर पड़ता है और सबको महसूस हो जाता है कि कुछ गलत हुआ है। पर इससे कुछ संकेत और भी है जो आपको देर होने से बचा सकते है। जिन मरीजों की कोरोनरी धमनी की बीमारी की ठोस फैमली हिस्ट्री रही हो या बाहरी मार्कर हो, उन्हों भविष्य में कार्डिक समस्याओं से बचने के लिए काडिर्क मूल्यांकन करवा लेना चाहिए।

खतरे की घंटी: सीने में दर्द। थकान, सुबह उठने में अक्षमता। हल्के परिश्रम के बाद भी सांस लेने में कठिनाई सूजन, झुनझुनाहट, कमजारी के रूप में लगातार बेचैनी। कमर से ऊपर अस्पष्ट दर्द।

डायबिटीज : मधुमेह रोग में आप जितनी देर से लक्षण पहचानते है या इलाज शुरू करते है, अन्य बीमारियां होने की आशंका उतनी ज्यादा बढ़ जाती है। परिवार में किसी को मधुमेह रहा है तो आपकी कुछ खास संकेतों का ध्यान रखना चाहिए। दुर्भाग्य से कुछ मरीजों को ये लक्षण तभी महसूस होते है, जब वे पूरी तरह से बीमारी से घिरे जाते है।

खतरे की घंटी : सबसे आम चेतावनी है अस्पष्ट प्यास। मरीज सामान्य से ज्यादा बार मूत्र त्याग करने की इच्छा जताता है। वजन में कमी। थकान और कार्बोहाइड्रेट की लालसा।

ब्रेन ट्यूमर : यह कभी-कभी मामूली सिदर्द के रूप में भी उभरकर आता है तो कभी दिमागी सून्यता के रूप में। सेरिब्रल ट्यूमर का पता लगाना काफी कठिन है, लेकिन यदि मस्तिक के कार्य या नियंत्रण से जुड़े लक्षण नजर आएं तो इस पर ध्यान देना चाहिए। **खतरे की घंटी :** ध्यान की कमी। दैनिक कार्य करने में असमर्थता। सिरदर्द, मांसपेशियों में खिंचाव, भाषा और दृष्टि में बदलाव।

कुछ मामलों में अंगों में सनसनी भी होती है।

अवसाद : क्लि निकल डिप्रेशन के मामलों में तेजी से वृद्धि हो रही है। आपके लिए यह जानना जरूरी है कि आप किसी दिन बुरा महसूस कर रहे है या लगातार दीनता का भाव पैदा हो रहा है। अवसाद का सबसे बड़ा लक्षण है कि आप किसी सामान्य दिन में भी लगातार खुद से जूझते रहते है और किसी काम में रूचि नहीं लेते है। आपको इंतजार करने के बजाय किसी विशेषज्ञ से मिलना चाहिए।

खवरे की घंटी : शरीरिक लक्षणों में वजन और नींद के पैटर्न में अस्पष्ट बदलाव शामिल है- दो या तीन हफ्तों तक खुद को लाचार महसूस करना। अपराधबोध और रूचि का अभाव पैदा होना। अल्कोहल या ड्रग जैसी खतरनाक चीजों का सेवन करना। थकान महसूस करना और ध्यान केंद्रित न कर पाना। आत्महत्या के विचार आना।

गुर्दे की बीमारी : किडनी आपके शरीर का बहुत महत्वपूर्ण अंग है। इससे आपके शरीर को गंदगी से छुटकारा मिलता है। और आपके शरीर का संतुलन बना रहता है। इसलिए आपको शुरूआत लक्षणों के प्रति सजग रहना चाहिए। किडनी की समस्या से बचने के लिए आपको नियमित रूप से रक्तचाप और मधुमेह की जांच करवानी चाहिए। 50 साल की उम्र के बाद हर साल सीरम पीएसए टेस्ट और यूरीन टेस्ट करवाना आवश्वयक है।

खतरे की घंटी : टोक्सिन लेवल बढ़ने के कारण सोने में परेशानी होना। पेशाब से जुड़ी समस्याएं होना, बार-बार पशाब जाना। कमर के नीचे सूजन होना। मांसपेशियों में ऐंठन होना। किसी भी बीमारी में देरी ही पीड़ित को सबसे ज्यादा नुकसान पहुंचाती है। कोशिश ही की जाए कि कोई भी बीमारी में लापरवाही ना बरतें और अतिलंब चिकित्सक से सलाह ली जाए। क्रमश:

जब राजा को हुआ अपनी भूल का पश्चाताप

कहानी

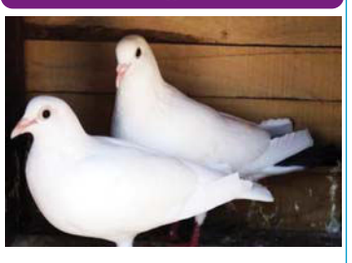

एक था राजा। अपनी मनमानी और अत्याचारों से उसने प्रजा को बहुत तंग कर रखा था। वह क्रोधी भी था, अत: लोग उससे भयभीत रहा करते थे। उसकी मर्जी के विरूद्ध कुछ कर देना या कह देना अत्यन्त कठिन था। ऐसे में उसके राज्य से अवसर पाकर लोग दूसरे स्थानों पर बसने के लिए भाग रहे थे। राजा के चतुर मंत्री ने जब राज्य तथा नागरिकों की यह हालत देखी तो उससे नहीं रहा गया, किन्तु राजा के सामने सीधा मुंह खोलने का अर्थ दण्ड का भागी बनना। अत: मंत्री ऐसा अवसर ढूढ़ने लगे जब राजा को प्रजा की स्थिति का बयान कर उसे अत्याचार बंद करने की बात कह सके।

एक दिन मंत्री को साथ लेकर राजा शिकार खेलने निकला। शिकार की तलाश में दोनों बहुत थक गए तो ऊंचे पथरीले टीले पर चले गए। तभी राजा की नजर सामने पेड़ पर बैठे दो कबूतरों पर पड़ी जो ऐसे बैठे थे जैसे किसी गंभीर विचार में डूबे हों। राजा ने मंत्री से कहा, मंत्री जी, दोनों कबूतर किसी जरूरी मामले को लेकर ऐसे बातचीत कर रहे है, जैसे हम लोग किया करते है। हां महाराज लगता तो ऐसा ही है। मंत्री ने कहा। लेकिन मंत्री जी, एक बार आपने कहा था कि आप पशु-पक्षियों की बोली भी समझते है, जरा इनकी बातचीत सुनकर बताइये कि ये किस मामले पर विचार कर रहें है। राजा बोला। मंत्री थोड़ा धबराया। उसे याद आया कि एक बार उसने राजा से मजाक-मजाक में ऐसा कह दिया था कि उसे पशु-पक्षियों की बोली समझ आती है, लेकिन राजा इसबात को आजमा भी लेगा, यह उसे कहां पता था।

फिर भी उसने स्वयं को संभालते हुए कहा, जैसी आज्ञा महाराज, मैं कबूतरों के करीब जाकर उनकी बातें समझने की कोशिश करता हूँ। कुछ देर बाद मंत्री कबूतरों की बात सुनकर उदास हो गया। राजा ने उसका उदास चेहरा देखकर पूछा, क्यों मंत्री जी? क्या उन दोनों कबूतरों के बीच कोई ऐसी बात हो रही है जिससे आपको दु:ख पहुंचा? हां महाराज। मंत्री ने कहा, बात कुछ ऐसी ही है अगर जान की खैर करें तो बयान करूं। जो बात है निडर होकर कहो। हम तुम्हें कुछ नहीं कहेंगे। राजा ने मंत्री को विश्वास दिलाया।

मंत्री बोला, महाराज, ये दोनों कबूतर आपस में अपने बच्चों की शादी की बात कर रहे है। एक कबूतर के यहां लड़की है, दूसरे के पास लड़का। लड़के वाला कबूतर शादी के मौके पर लड़की वाले से दहेज में ज्यादा अनाज और कई और गांव की मांग कर रहा है। अब कहता है कि तुमने ये राज्य मेरे पक्ष के कबूतरों के लिए दहेज में देने को कहा था पर इस राज्य के लोग राजा के अत्याचारों से तंग आकर गांव के गांव खाली करके जा रहे है। थोड़े ही दिनों मेंयहां के सब गाव और बस्तियां खाली होजाएगी तब हमें अनाज कौन देगा?

महाराज, लडकी वाला कबूतर आपकी शान में गुस्ताखी कर रहा है। वह लड़के वाले से कह राह है कि भैय्या, राजा के पापों की सजा मुझे मत दो जब मैंने वादा किया था मुझे क्या पता था राजा के अत्याचारों से यहां हमारा तक दाना-पानी तक उजड़ जाएगा।

राजा, मंत्री की जुबान से कबूतरों की बात सुनकर बहुत शर्मिंदा हुआ और उसने जो संकेत किया था उसका अर्थ समझकर प्रजा को सुखी रखने की कोशिश में गया।

आवश्यक सूचना

यह समाचार पत्र कैसा लगा इसके बारे में अपनी प्रतिक्रिया या सुझाव जरूर दें जिससे हम और बेहतर बना सकें।

फोन: 9414172596, 9413384884 ई-मेल: bkkomal@gmail.com

महाशिवरात्रि पर कार्यक्रम

धार्मिक एकता समागम में सतनाम सिंह उप्पल के विचार

परमात्म प्राप्ति की भूख न लगना ही असली बीमारी

शिवोहम् कहना है गलत, शिव पिता है और हम उसकी सन्तान : बीके ब्रजमोहन

शिव आमंत्रण ■ नोएडा

गुरू ग्रन्थ साहेब वर्ल्ड वेलफेयर एसोसिएशन के अध्यक्ष सरदार सतनाम उप्पल ने कहा कि इस धरा पर आकर हम अपने को और परमात्मा को भूल जाते हैं और विकारों में फँस जाते हैं, जबकि वो सभी धर्मों का पिता है। परमात्म प्राप्ति की भूख न लगना ही असली बीमारी है। उन्होंने कहा कि ब्रह्माकुमारी संस्था सभी धर्मों का निचोड़ है। यह विचार प्रजापिता ब्रह्मा कुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय के द्वारा महाशिवरात्रि के अवसर पर सेक्टर-31 के आईएमए. हाउस में आयोजित धार्मिक एकता एवं सद्भावना समागम में डन्होने कही।

ब्रह्माकुमारी के अतिरिक्त महासचिव बीके ब्रजमोहन ने कहा, शिव और शंकर दोनों अलग है और दोनों को एक मानना भूल है। जिधर देखता हूँ तू ही तू है कहना और शिवोहम् का जाप करना अर्थात कहना मैं ही शिव हूँ, दोनों गलत है, शिव पिता परमात्मा है और हम उसकी सन्तान। यह अज्ञानता रूपी रात्रि मिटाने परमात्मा शिव स्वयं इस धरा पर आते हैं इसलिए उन्हें हम स्वयंभू भी कहते हैं, वे आकर अपना परिचय देकर एवं हम विनाशी शरीर नहीं अविनाशी आत्मा है का ज्ञान देकर अमरत्व की प्राप्ति कराते हैं।''

उन्होंने आगे बताया कि विश्व शान्ति के लिए विश्व का परिवर्तन होना जरूरी है, पुराने का विनाश और नये की स्थापना यह उस विश्व

महाशिवरात्रि कार्यक्रम का उद्घाटन करते अतिथि।

पिता परमात्मा शिव का ही काम है। वहीं तीनों देव ब्रह्मा, विष्णु, शंकर की रचना कर नई सुखमय सतयुगी दुनिया की स्थापना, पालना तथा वर्तमान पुरानी दु:खमय कलियुगी दुनिया का विनाश का कर्तव्य करा रहे हैं।

ब्रह्माकुमारी के ओम शान्ति रिट्रीट सेन्टर, गुरूग्राम की निदेशिका बीके आशा ने कहा कि विकारों से ग्रसित होकर शक्तिहीन होकर अज्ञान अन्धकार में हम भटक रहे हैं। अब परमात्मा फिर आया हुआ है इसलिए अब विकारों रूपी करेन्सी बंद होगी और गुणों की करेन्सी शुरू होगी, जिससे हम और हमारा यह संसार सुखमय बन जायेगा।

इस्कॉन नोएडा के अध्यक्ष कृष्णभक्त दास ने कहा कि वसुधैव कुटुम्बकम अर्थात पृथ्वी पर जितने भी जीव हैं एक परिवार के सदस्य हैं। सभी परमात्मा के सेवक हैं, परमात्मा की ओर वापिस जाना, यही हमारा लक्ष्य होना चाहिए।

मुस्लिम समाज के तनवीर जफर अली ने स्टेज पर लगे सभी धर्म पिताओं की ओर इशारा करते हुए पोस्टर की सराहना करते हुए कहा कि मानवीय मूल्य, चरित्र और कर्म से ही व्यक्ति बड़ा होता है न की पैसे व पद से। सेन्ट मैरी चर्च सेक्टर 34 नोएडा के फादर जोसेफ डाबरे ने कहा कि जब मैं ब्रह्माकुमारी बहनों को देखता हूँ तो मुझे लगता है कि इन्हें भटके लोगों को राह दिखाने भगवान ने भेजा है। जब हम सभी एक परमेश्वर को मानते हैं तो उसका जो शान्ति स्थापन करने का कार्य है उसमें सभी को सहयोगी होना चाहिए।

समागम में इसके अतिरिक्त इस्कॉन, ग्रेटर नोएडा के अध्यक्ष वेदान्ता चैतन्य दास तथा ब्रह्माकुमारी मन्नू ने भी अपने विचार रखे।

ब्रह्माकुमारी आशिमा ने मंच संचालन किया। साथ ही बच्चों द्वारा आध्यात्मिक गानों पर नृत्य प्रस्तुत किया गया।

महाशिवरात्रि पर बुराईयों को समाप्त करने का संकल्प

शिवरात्रि के अवसर पर शिवध्वज फहराते अतिथि।

शिव आमंत्रण ■ इलाहाबाद

इलाहाबाद के सोरांव स्थित ज्ञानसूर्य संग्रहालय में शिवरात्रि के उपलक्ष्य में भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसका उद्घाटन भदोही के सीडीओ रमेश चंद्र पाण्डे, एडिशनल एस पी अजय कुमार सिंह, जिला सूचना अधिकारी जे एन यादव, इलाहाबाद विश्वविद्यालय के पूर्व रजिस्ट्रार के डी सिंह, एस डी ओ मगन सिंह, दारागंज सेवाकेंद्र प्रभारी बीके कमल, वरिष्ठ राजयोग शिक्षिका बीके संगीता, बीके सुमिता और बीके रतन ने दीप जलाकर किया। इस मौके पर उपस्थित बीके कमल ने कहा कि शिव रचयिता हैं तो शंकर उनकी रचना और शिवरात्रि पर्व परमात्मा के दिव्य अवतरण का ही यादगार है। सीडीओ रमेश चंद्र पांडे ने माउंट आबू के दौरान हुए श्रेष्ठ अनुभवों को सभी के साथ साझा करते हुए इस ईश्वरीय ज्ञान से जुड़ने का आहवान किया। कार्यक्रम में उपस्थित अन्य अतिथियों ने सेवाकेंद्र पर आने की खुशी जाहिर की व शिवरात्रि पर्व की शुभकामनाएं दी। इसके साथ ही सभी ने शिवध्वजारोहण किया और बुराईयों को समाप्त करने का संकल्प लिया। अंत में सभी अधिकारियों व विशिष्ट लोगों को ईश्वरीय सौगात भेंट की तथा एक निराकार परमात्मा की याद द्वारा श्रीकृष्ण समान गुणवान बनने का संदेश दिया। इस मौके पर बीके अक्षत, बीके निधी और बीके अरूणा समेत कई लोग उपस्थित थे।

गोवा में शांति यात्रा

शिव आमंत्रण, पणजी। 81वीं त्रिमूर्ति शिवजयंति के उपलक्ष्य में गोवा के पणजी सेवाकेंद्र द्वारा शांति यात्रा का आयोजन किया गया। जो कि शहर के अनेक स्थानों से निकाली गई जिसके माध्यम से बड़ी संख्या में लोग आध्यात्म के प्रति जागरूक हुए। इस रैली में शिव और शंकर की झांकी भी शामिल थी। इस अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में सेवाकेंद्र प्रभारी बीके शोभा समेत विशिष्ट लोगों ने केक काटा और अतिथियों ने निराकार परमात्मा शिव का संदेश प्राप्त किया।

शिवध्वज फहराया

शिव आमंत्रण, मुरादाबाद। उ.प्र. के मुरादाबाद सेवाकेंद्र द्वारा शिवरात्रि के उपलक्ष्य में निराकार परमात्मा शिव का ध्वज फहराया गया। जिसमें सिविल लाइन सेवाकेंद्र प्रभारी बीके आशा ने शिवरात्रि के रहस्य के बारे में सभी को बताया कि कैसे परमपिता परमात्मा से अपना संबंध जोड़ें। इस अवसर पर बीके शील, बीके सुमित्रा, बीके पूनम समेत अनेक भाई बहनें उपस्थित थे।

सिर्फ भगवान ही दे सकते हैं हमें सद्बुद्धि

आरती करते हुए नगर पालिका अध्यक्षा अर्चना सिंह, एस.डी.एम. रविन्द्र चौकसे, शहरी विकास एवं परियोजना प्रबंधक बीके श्रीवास्तव, अधीक्षक यंत्री, सिचाई विभाग सी. एल. गर्ग, बीके शैलजा, बीके रमा एवं बीके रीना।

शिव आमंत्रण छतरपुर। मध्यप्रदेश के छतरपुर में कल्याणकारी परमपिता परमात्मा शिव की जयंती के अवसर पर परमात्म ज्ञान द्वारा विश्व परिवर्तन विषय पर कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसका शुभारंभ एसडीएम रवीन्द्र चौकसे, नगर पालिका अध्यक्षा अर्चना सिंह, शहरी विकास एवं परियोजना प्रबंधक बीके श्रीवास्तव, सेवाकेंद्र प्रभारी बीके शैलजा सहित अन्य बीके सदस्यों ने दीप जलाकर किया। पावनधाम किशोर सागर सेवाकेंद्र पर आयोजित इस कार्यक्रम में सिंचाई विभाग के अधीक्षक यंत्री सी.एल गर्ग ने अपने विचार व्यक्त करते हुये कहा कि ज्ञान हम सभी को है परन्तु सद्बुद्धि नहीं है, जो सिर्फ भगवान ही हमें दे सकते हैं। साथ ही एसडीएम रवीन्द्र चौकसे व बीके शैलजा ने भी अपने विचार व्यक्त किये । इस अवसर पर झंडा रोहण भी किया गया जिसमें संस्था के सदस्य व अन्य लोगों ने बढ़-चढ़ कर भाग लिया।

सर्वधर्मों में शिव को ज्योति स्वरूप में याद किया : बीके मेहरचन्द

असंध सेवाकेंद्र पर महाशिवरात्रि का भव्य कार्यक्रम

शिव आमंत्रण, असंध। संस्थान के असंध स्थित सेवाकेन्द्र द्वारा महाशिवरात्रि के उपलक्ष्य में भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में करनाल से मुख्य वक्ता के रूप में पधारे बीके मेहरचन्द ने बताया कि शिव ही सर्व आत्माओं के पिता है और शिव के ही 12 ज्योतिर्लिंगम् मठ स्थापित है। उन्होंने कहा कि सभी धर्म संस्थापकों ने शिव को ही ज्योति रूप में याद किया था।

असंध स्थित सेवाकेन्द्र द्वारा महाशिवरात्रि के उपलक्ष्य में आयोजित कार्यक्रम का उद्घाटन करते अतिथि।

गांव गांव में हैं शिवलिंग

कार्यक्रम के दौरान बीके सरिता ने कहा कि नगर-नगर, गाँव-गाँव में शिव के यादगार स्थापित है, इसके अलावा भारत के साथ-साथ विश्व के अन्य देशों में भी शिवलिंग देखे जाते है। कार्यक्रम का शुभारम्भ मुख्यातिथि मंडी एसोसिएशन के प्रधान राकेश गर्ग, समाजसेवी भगवानदास छाबड़ा, प्रधान कृष्ण गौशाला, उपलाना, विशिष्ट अतिथि पंजाबी सभा के प्रधान गुलाब ढ़ीगंड़ा, कली राम बिदंल, ईश्वर गर्ग, बीके उषा, बीके नीलम ने दीप प्रज्जवलन के साथ किया।

विचारों की शुद्धता जहां मिले वह स्थान मंदिर

शिवजयंति कार्यक्रम में शिवराज पाटील के उद्गार

शिव आमंत्रण, गुरूग्राम। जिस स्थान पर जाकर मन को शांति मिले और विचारों में शुद्धता आ जाए, वो स्थान किसी मंदिर से कम नहीं..ये बात भारत सरकार के पूर्व गृह मंत्री शिवराज पाटील ने गुरूग्राम के ओम शांति रिट्रीट सेंटर के कार्यक्रम के दौरान कही।

81 वीं त्रिमूर्ति शिव जयंती के उपलक्ष्य पर ओआरसी में कार्यक्रम का आयोजन किया गया ये कार्यक्रम पूर्व गृह मंत्री शिवराज पाटील, हरियाणा पटौदी के एसडीएम रविंद्र यादव, जिला पार्षद सुशील कुमार चौहान, भोड़ाकलां के सरपंच यजवेंद्र शर्मा, ओआरसी की निदेशिका बीके आशा, वरिष्ठ राजयोग शिक्षिका बीके विजया, बीके मधु समेत संस्था के कई सदस्य उपस्थित रहे।

इस अवसर पर एसडीएम रविंद्र यादव ने सभी को इस पर्व की शुभकामनाएं देते हुए अपना अनुभव साझा किया। वहीं संस्था के सदस्यों ने महाशिवरात्रि का वास्तविक अर्थ स्पष्ट करते हुए बताया कि परमात्मा का अवतरण अज्ञानता क अधकार का समाप्त कर ज्ञान प्रकाश फैलाने के लिए होता है इसलिए उसे शिवरात्रि कहते है।

शिवध्वज फहराते पूर्व गृह मंत्री शिवराज पाटील।

शिवजयंती के अवसर पर सैकड़ों लोगों की उपस्थिति में अतिथियों एवं संस्था के सदस्यों ने शिव ध्वज लहराकर स्वयं के जीवन को श्रेष्ठ एवं पावन बनाने की प्रतिज्ञा की। ओआरसी का अवलोकन करते हुए संस्था की गतिविधियों की जानकारी लेते हुए यहां का शांतीपूर्ण वातावरण को देख पूर्व गृहमंत्री शिवराज पाटील अधिक प्रभावित हुए और मोडटशन रूम में कुछ समय व्यतीत करते हुए वहां की शांति का अनोखा अनुभव किया।

ईश्वर के प्रति समर्पण सिखाता है महाशिवरात्रि पर्व : यादव

शिव आमंत्रण ■ फर्रूखाबाद

प्रजापिता ब्रह्माकुमारीज़ संस्थान के सर्चलाइट भवन बीबीगंज में शिव जयंती महाशिवरात्रि पर्व पर मुख्य अतिथि पूर्व सांसद छोटे सिंह यादव ने कहा कि ईश्वर के प्रति समर्पण व्यवहार एवं सभी के प्रति प्रेम भावना रखनी चाहिए। तभी हमारे जीवन में उल्लास का वातावरण रहेगा। सेवाकेन्द्र संचालिका बीके मंजू ने शिवरात्रि के गूढ़ रहस्यों के बारे में विस्तार पूर्वक बताया। इस मौके पर विशेष अतिथि बीरेन्द्र सिंह राठौर, अरूण प्रकाश तिवारी ददुआ, इंदू अवस्थी, बीके संतोष, बीके रजंना, अनीता सूद, डॉ. श्रीकृष्ण गुप्ता, भरत सिंह, उमाशंकर सक्सेना, सतीश चन्द्र गुप्ता, संतोष चतुर्वेदी सहित अनेक गणमान्य मौजूद थे।

मुख्यमंत्री अखिलेश यादव को दी शुभकामनाएं

शिव आमंत्रण ■ मऊ

उत्तर प्रदेश में विधान सभा चुनाव प्रचार के दौरान युपी के मुख्यमंत्री अखिलेश यादव की ब्रह्माकुमारीज़ संस्थान के मऊ की स्थानीय सेवाकेन्द्र संचालिका बीके विमला से मुलाकात हुई। इस दौरान बीके विमला ने उन्हें अपनी शुभकामनाएं देते हुए ईश्वरीय सौगात भेंट की तथा स्थानीय सेवाओं से अवगत कराया।

दिल्ली में शोभायात्रा

शिव आमंत्रण, दिल्ली। दिल्ली के रोहिणी सेक्टर-24 में महाशिवरात्रि के उपलक्ष्य में जनजागृति के लिए निकाली गई शोभायात्रा को बीके सत्यवीर, बीके सरला, बीके लीना तथा बीके आन्या ने हरी झण्डी दिखाई।

भागवत कथा

बीके भावना ने कहा, परमात्मा से बात करने में नहीं देना पड़ता बिल

धर्म भले ही अलग हों मगर परमात्मा सबका एक है

शिव आमंत्रण, आगरा। पश्चिमपुरी में राधाविहार इलाके में आगरा के शास्त्री पुरम सेवाकेंद्र द्वारा संगीतमय आध्यात्मिक भागवत कथा का आयोजन किया गया। जिसमें बीके भावना ने कहा कि लोगों से फोन पर बात करने में बिल देना पड़ता है लेकिन भगवान से बात करने में दिल देना पड़ता है। इसके साथ परमात्म दर्शन का विषय बीके भावना ने समझाया। कहा कि परमात्मा के विषय में बहुत सी भ्रांतियां हैं। लोग धर्म के नाम पर अलग अलग हो चुके हैं लेकिन परमात्मा तो एक है। चाहे कोई हिंदू हो, मुसलमान हो, सीख हो या ईसाई हो, सभी ने एक ही बात कही है कि परमात्मा एक है। परमात्मा वही है, जो सर्व धर्म मान्य हो, सर्वोच्च हो, सर्वोपरि हो, अजन्मा हो और सर्वशक्तिमान हो।

कलश यात्रा में शामिल माताएं, भाई बहनें व बीके भावना।

उन्होंने कहा, आत्मा शरीरसे चली जाती है तो कहा जाता है कि अर्थी जा रही है। आत्मा के चले जाने के बाद शरीर का अर्थ ही नहीं रहता है, इसलिए उसे अर्थी कहा जाता है। व्यक्ति के संस्कार और कर्म ही उसके साथ जाते हैं। राधे विहार कॉलोनी पार्क में संपन्न हुई इस आध्यात्मिक भागवत कथा में सांसद चौधरी बाबूलाल, आगरा जोन की प्रभारी बीके शीला, शास्त्री पुरम सेवाकेंद्र की प्रभारी बीके मधु, सेक्टर -7 सेवाकेंद्र की प्रभारी बीके सरिता, मंद बुद्धि संस्थान की संचालिका रीता सहित अनेक लोग शामिल थे। कार्यक्रम स्थल पर सर्वधर्म आत्माओं की सुंदर झांकी सजाई गई थी जिसका शुभारंभ बीके डॉ. प्रेरणा, नवीन गुप्ता, बीके राजेश गुप्ता, बीके मधु और बीके भावना ने आरती के साथ किया।

खास खबरें

शिवरात्रि पर गोंडा में रैली

शिव आमंत्रण, गोंडा। उत्तर प्रदेश के गोंडा जिले में सर्व आत्माओं के सद्गति दाता भगवान शिव के अवतरण का यादगार पर्व शिवरात्रि पर रैली निकाल कर सर्व आत्माओं को पवित्र बनो योगी बनो का संदेश दिया गया, जिसमें माउंट आबू से आये बीके सुरेश, हरदुआ गंज सेवाकेंद्र प्रभारी बीके सुरेश समेत बड़ी संख्या में लोग मौजूद थे।

गोंडा के रैली में शामिल भाई बहनें व माताएं।

परमात्म संदेश देने के लिए शोभायात्रा का आयोजन

गाजिपुर, शिव आमंत्रण। उत्तर प्रदेश के गाजिपुर में ब्रह्माकुमारीज़ संस्था के स्थानीय सेवाकेन्द्र द्वारा शोभायात्रा का आयोजन किया गया। यह शोभायात्रा महाशिवरात्रि पर्व के उपलक्ष्य में सभी लोगों को परमात्मा शिव का संदेश देने के लिये आयोजित की गई।

गाजीपुर में सेवा केंद्र की ओर से निकाली गई शोभायात्रा।

इस अवसर पर बीके निर्मला ने सभी उपस्थित लोगों को महाशिवरात्रि पर्व के गुढ़ रहस्यों के बारे में अवगत कराया। इस शोभा यात्रा को मुख्य अतिथि विनोद कुमार अग्रवाल, महन्त अखिलेश्वर दास, सरदार दर्शन सिंह, गोपाल सिंह यादव तथा अन्य अतिथियों ने हरी झण्डी दिखाकर रवाना किया।

आध्यात्मिक मेले का लाखों लोगों को लाभ

शिव आमंत्रण, रायपुर। छत्तीसगढ़ रायपुर के शांति सरोवर द्वारा शिव दर्शन आध्यात्मिक मेले का आयोजन किया गया। जिसमें बड़ी संख्या में लोग इस मेले को देखने पहुंचे। मेले में बहुरंगी चित्रों और कलात्मक मूर्तियों के माध्यम से आत्मा, परमात्मा और राजयोग की शिक्षा दी गई। इस मौके पर संस्था के सदस्यों ने देश में फैले चारों ओर 12 ज्योतिर्लिगों की सुंदर प्रतिमाओं के दर्शन कराते हुए उनके रहस्यों को स्पष्ट किया।

आध्यात्मिक मेले में प्रदर्शित भव्य शिवलिंग।

विकारमुक्त बनने की प्रतिज्ञा

शिव आमंत्रण, चंडीगढ़। चंडीगढ़ सेक्टर 44 सी सेवाकेंद्र द्वारा सेक्टर 42 के गीता पाठशाला में शिवध्वजारोहण कार्यक्रम रखा गया। जिसमें 44 सी सेवाकेंद्र प्रभारी बीके कविता ने परमात्मा शिव का परिचय दिया तथा बीके मनु ने सभी को शिवरात्रि की बधाईयां दी। वहीं शिवध्वजारोहण भी किया। ऐसे ही सेक्टर 43 के गीता पाठशाला में भी कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिसमें 44 सी सेवाकेंद्र प्रभारी बीके कविता व बीके मनु समेत अनेक विशिष्ट लोगों ने शिवध्वजारोहण किया और विकारों से मुक्त बनने की सभी से प्रतिज्ञा कराई।

ईश्वरीय परिवार हमारा सुरक्षा चक्र : जीनगर

शिवरात्रि पर शिवध्वज फहराते अतिथि।

शिव आमंत्रण, चित्तौड़गढ़। चित्तौड़गढ़ में भी शिवरात्रि की धूम देखने को मिली जहां लक्ष्मी नारायण की चैतन्य झांकी सजाकर नई दुनिया सतयुग में चलने के लिये एक ईश्वर पिता को याद करने का संदेश दिया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि विधायक अर्जुन लाल जीनगर, सदर थाना इंचार्ज शिवलाल मीणा, चार्टर्ड अकाउंटेंट आई.एम. सेठिया एवं सेवाकेंद्र प्रभारी बीके आशा ने अन्य बीके सदस्यों के साथ ध्वजारोहण कर शिवजयंती की शुभकामनायें दी एवं सदा ईश्वरीय मत पर चलकर श्रेष्ठ कर्म करने की प्रतिज्ञा कराई। साथ ही अर्जुनलाल जीनगर ने कहा कि परमात्मा शिव और यह ईश्वरीय परिवार हमारा सुरक्षा चक्र है इसलिये समय - समय पर इस परिवार में आते रहना चाहिए।

हजारों लोगों ने देखी शिवप्रदर्शनी

प्रदर्शनी को देखने बड़ी संख्या में पहुंचे लोग।

शिव आमंत्रण, नीमच। नीमच की क्षेत्रीय संचालिका बीके सविता व क्षेत्रीय निदेशक बीके सुरेंद्र के मार्गदर्शन में महाशिवरात्री पर्व पर दो दिवसीय द्वादश ज्योर्तिलिंग की भव्य झांकी एवं शिवदर्शन प्रदर्शनी का आयोजन किया गया, इस विशाल आयोजन का विधायक दिलीप सिंह परिहार, जिला कलेक्टर रजनीश श्रीवास्तव, पुलिस अधीक्षक मनोज सिंह, डी.आई.जी राजीव रंजन कुमार, अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायाधीश आर.पी. शर्मा, उद्योगपति डी.एस. चौरड़िया के अलावा विभिन्न संस्थानों के अध्यक्ष सहित लगभग 20 हजार लोगों से अधिक लोगों ने अवलोकन किया। इस भव्य झांकी में 8 फीट उचें विशाल मंच पर द्वादश ज्योर्तिलिंगम की विशाल झांकी, राजयोग साधना पिरामिड, विशाल स्क्रीन पर लगातार अध्यात्मिक फिल्मों का प्रदर्शन किया गया जिसका आठ हजार से भी अधिक लोगों ने लाभ लिया, साथ ही अध्यात्मिक प्रदर्शनी के द्वारा बीस से अधिक ब्रह्माकुमारी बहनों ने बीस हजार से अधिक भाई-बहनों का ज्ञानयुक्त व योगयुक्त बातों द्वारा तनावमुक्त जीवन शैली का मार्गदर्शन किया।

वाशी में रैली का आयोजन

शिव आमंत्रण, वाशी। नवी मुंबई के वाशी सेवाकेंद्र द्वारा महाशिवरात्रि महोत्सव पर कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसका शुभारंभ पुलिस सब इंस्पेक्टर सचिन हीरे, होप एंड केयर हॉस्पिटल की डायरेक्टर डॉ. अल्का चड्ढा, व्यापारी संघ अध्यक्ष रोहिदास नखाटे, रिलायंस इंडस्ट्रीज के प्रोजेक्ट मैनेजर नवनीत जैन, राजश्री भोसले, सेवाकेंद्र प्रभारी बीके शीला समेत संस्था के कई सदस्यों ने दीप जलाकर किया। इस शुभ अवसर पर मंच पर उपस्थित अतिथियों ने अपने अपने विचारों में संस्था के कार्यों की सराहना करते हुए परमात्मा की विभिन्न प्रकार से महिमा की। कार्यक्रम के अंत में सभी अतिथियों को ईश्वरीय सौगात भेंटकर सम्मानित किया। कार्यक्रम से पूर्व शहर में रैली निकाली गयी जिसका उद्घाटन पुलिस सब इंस्पेक्टर सचिन हीरे ने किया। इस रैली में संस्था के सदस्यों ने हाथों में शिवध्वज लेते हुए सभी को परमात्मा का दिव्य संदेश दिया।

जम्मू में ध्वजारोहण व रैली

शिव आमंत्रण,जम्मू। जम्मू के बीसी रोड सेवाकेंद्र द्वारा 12 ज्योतिर्लिंग दर्शन का आयोजन किया गया। जिसका उद्घाटन लेजिस्लेटिव एसेंबली के स्पीकर कविंदर गुप्ता, सेवाकेंद्र प्रभारी बीके सुदर्शन, वरिष्ठ राजयोगी बीके राजेंद्र ने रिबन काटकर किया। इस अवसर पर लगाई प्रदर्शनी व द्वादश ज्योतिर्लिंग का विशिष्ट लोगों ने अवलोकन किया वहीं आयोजित कार्यक्रम में अपने विचार रखते हुए ध्वजारोहण किया। इस अवसर पर रैली भी निकाली गई जिसमें सदस्यों ने उमंग-उत्साह से हिस्सा लिया।

संतों का सान्निध्य ▶ महाकुम्भ से पधारे संतों के स्नेह मिलन में व्यक्त विचार

श्रेष्ठ संस्कार से ही हो सकेगा नव संस्कृति का निर्माण

शिव आमंत्रण ■ राजिम

छत्तीसगढ़ के प्रयाग राजिम में चल रहे राजिम महाकुम्भ कल्प २०१७ में पधारे संत महात्माओ और महामंडलेश्वरों का नवापारा के त्रिमूर्ति भवन में महाशिवरात्रि पर्व पर ब्रह्माकुमारियों द्वारा सम्मान किया गया और संत स्नेह मिलन कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर इंदौर से आए बीके नारायण ने कहा, स्वयं की सत्यता व परमात्मा की यथार्थता हमारे जीवन से लुप्त हो गयी है इसलिए मानव मन चंचल बनता जा रहा है, दिन प्रतिदिन उसमें गिरावट आती जा रही है। विभिन्न राज्यों से संत और महात्माएं पधारे थे। बीके पुष्पा ने सभी संतो का स्वागत करते हुए कहा कि आप संत ही इस प्राचीन भारत देश को पवित्रता के बल से टिकाये हुए है ।

संत स्नेह-मिलन में पधारे संत महात्माएं।

इलाहाबाद सबजोन प्रभारी बीके मनोरमा ने कहा कि नव सृष्टि के सृजन में पवित्रता का महत्वपूर्ण योगदान है। इसका क्षेत्र बहुत ही विस्तृत है। केवल ब्रह्मचर्य रखना ही पवित्रता नहीं बल्कि मन-वचन-कर्मों से भी किसी भी प्रकार की अपवित्रता न हो। संस्कार से संस्कृति का निर्माण होता है और वर्तमान समय श्रेष्ठ पवित्र व्यवहार की आवश्यकता है ।

दिल्ली से महामण्डलेश्वर श्री चन्दशेखरानंद ने कहा कि इनकी पवित्रता, साहस, संयम सभी को आकर्षित किये बिना नहीं रहता। मैं भी इसी आकर्षण से खींचा चला आया । मुंबई से पधारे महामण्डलेश्वर स्वामी प्रेमानंद ने कहा कि हर एक व्यक्ति को संस्था मुख्यालय माउण्ट आबू में एक बार अवश्य जाना चाहिए। वहां की जीवन शैली हर व्यक्ति को अपने जीवन में अपनाना चाहिए जिससे जीवन को सही दिशा मिलेगी।

वृंदावन से पधारे महामण्डलेश्वर नवल गिरी महाराज ने कहा कि जीवन में विकार आने से मानव स्वयं को भूल गया है और जन्म मृत्यु के चक्र में उलझ गया है ।

अयोध्या से आए महामण्डलेश्वर स्वामी जालेश्वर ने कहा कि व्यक्ति को सदा खुश रहना चाहिए क्योंकि भविष्य की चिंता उसकी खुशी को समाप्त कर देती है।

उज्जैन से पधारे महामण्डलेश्वर मंदाकिनी ने कहा कि पुरूष और नारी दोनों को समान महत्व देना चाहिए। पुरूष अपने अहम के कारण नारियों को आगे आने नहीं देना चाहता और यह सबसे बड़ी भूल है। क्योंकि नारियों को आगे बढ़ाने में ही स्वयं की और देश की शान है । कार्यक्रम का संचालन बिलासपुर से पधारी बीके राखी ने किया। बीके विद्या ने सभी का फूलों व गुलदस्तों से स्वागत किया। अंत में ब्रह्माभोजन के बाद सभी ने एक स्वर में कहा कि जैसे राजिम कुंभ प्रतिवर्ष होता है ऐसे संत कुंभ का आयोजन ब्रह्माकुमारी आश्रम में होने लग गया है। यह बाबा का आशिर्वाद है कि इतने संत यहां एक मंच पर इकट्ठे हुए। हमारे विचार भले ही अलग-अलग हैं लेकिन दिल में दूरियां नहीं है। अंत में सभी संतो का आशीर्वाद लेने नगरपालिका अध्यक्ष विजय गोयल भी पधारे ।

रिट्रीट सेंटर पर राजयोग साधना

सिद्धी स्वरूप मौन राजयोग साधना कार्यक्रम का उद्घाटन करते अतिथि।

शिव आमंत्रण ■ बुटवल

नेपाल में बुटवल के ग्लोबल पीस रिट्रीट सेंटर पर सिद्धी स्वरूप मौन राजयोग मेडिटेशन का आयोजन किया गया। जिसका शुभारंभ बुटवल सब मेट्रोपोलिटन सिटी के वरिष्ठ अधिकारी भुवा प्रसाद, ग्राम विकास प्रभाग के मुख्यालय संयोजक बीके राजू, हरियाणा के पलवल से बीके राजेंद्र, ग्लोबल पीस रिट्रीट सेंटर के निदेशक बीके नारायण, बुटवल सेवाकेंद्र प्रभारी बीके कमला समेत संस्था के वरिष्ठ सदस्यों ने दीप जलाकर किया। इस दौरान मंच पर उपस्थित वरिष्ठ अधिकारी भुवा प्रसाद समेत संस्था के सदस्यों ने अपने-अपने विचार सभी के समक्ष रखे।

इस मौके पर वरिष्ठ अधिकारी भुवा प्रसाद ने बीके राजू और बीके राजेंद्र को सम्मानित करते हुए ऐसे कार्यक्रमों को आगे भी कराते रहने की इच्छा जाहिर की। कार्यक्रम के अंत में सभी ने राजयोग का अभ्यास करते हुए शांति के प्रकम्पन फैलाए।

अजमेर दरगाह शरीफ में विश्व एकता सम्मेलन

शिव आमंत्रण, अजमेर। अजमेर दरगाह शरीफ में चिश्ती फाउंडेशन द्वारा आयोजित विश्व एकता सम्मेलन में विश्व भर के प्रतिनिधि शामिल हुए।

इस अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन में माउंट आबू से आयी वरिष्ठ राजयोग शिक्षिका बीके गीता ने कहा कि देह भान को त्यागकर आत्म स्थिति में स्थित होंगे तब हमारे बीच शांति, प्रेम और एकता का भाव जाग्रत हो पुन: विश्व एक परिवार बन जाएगा। वहीं चौरसिया वास रोड सेवाकेंद्र प्रभारी बीके रूपा, बीके अंकिता समेत अनेक बीके सदस्यों ने विश्व एकता की बात कही।

श्रेष्ठ भाग्य जमा करने की बैंक

मैसूर मे आयोजित दिव्य ज्ञान विज्ञान दर्शन मेला।

शिव आमंत्रण, मैसूर। कर्नाटक में मैसूर सेवाकेंद्र के स्वर्ण जयंती महोत्सव के अवसर पर ज्ञान विज्ञान दिव्य दर्शन मेले का आयोजन किया गया जिसमें एक ईश्वरीय बैंक बनाया गया जिसे देखकर लोगों में बहुत उमंग उत्साह आया और उन्होंने भविष्य के लिये श्रेष्ठ कर्म कर श्रेष्ठ भाग्य जमा करने का संकल्प लिया। कार्यक्रम में वरिष्ठ राजयोग शिक्षिका बीके वीणा ने भागवत गीता का महत्व बताते हुये कहा कि जब धर्म की अति ग्लानि होती है तब परमात्मा पिता इस धरा पर आते हैं। कार्यक्रम में क्रोध मुक्त जीवन, नकारात्मकता को सकारात्मकता में बदलने के उपाय, शांति पूर्ण जीवन , खुश रहना, दूसरों को खुश करना, सरल स्वाभाव, साहसी बनना तथा अन्य लोगों में विशेषता देखने जैसे दस अन्य विषयों पर भी जानकारी दी गई ।

सामाजिक सद्भावना उपवास

सामाजिक सद्भावना उपवास कार्यक्रम में शामिल बीके बहनें व अन्य अतिथि।

शिव आमंत्रण, सोनीपत। हरियाणा के सोनीपत में सभी सामाजिक संस्थाओं द्वारा आयोजित सामाजिक सद्भावना उपवास कार्यक्रम का समापन उपायुक्त मकरंद पाण्डूरंगा, मानव अधिकार संरक्षण संघ के अध्यक्ष जयवीर अहलावत, जन जागृति मंच के अध्यक्ष मनोचा, संजय सिंगला, आचार्य अमृतानंद की उपस्थिति में सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम में बीके प्रमोद ने सभी को आत्मिक नाते से भाई-भाई होने का अर्थ समझाते हुए ऐसे पुनीत कार्य में अपना सहयोग देने का विश्वास दिलाया, साथ ही मकरंद पाण्डूरंगा ने कहा कि ऐसे कार्यक्रमों के माध्यम से हम असमाजिक तत्वों को बता सकते हैं कि हम सब एक हैं।

सेक्टर-14 में आयोजित इस कार्यक्रम में समाजसेवी संस्थाओं के 108 सदस्यों ने उपवास किया था, जिन्हें बीके प्रमोद ने प्रसाद प्रदान कर उपवास का समापन किया।

ज्यूरिस्ट कॉन्फ्रेन्स का आयोजन

ज्यूरिस्ट कॉन्फ्रेन्स का उद्घाटन करते अतिथि।

शिव आमंत्रण, हैदराबाद। ब्रह्माकुमारीज़ संस्थान के ज्यूरिस्ट विंग द्वारा हैदराबाद के शांति सरोवर में नेशनल ज्यूरिस्ट कॉन्फ्रेन्स का आयोजन किया, जिसका शुभारंभ सुप्रीम कोर्ट के न्यायधीश जस्टिस जे. चेलमेश्वर, हाईकोर्ट के न्यायधीश रामलिंगेश्वर, रामासुब्रमण्यम, सुरेश कुमार कैत, राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग आयोग के पूर्व अध्यक्ष न्यायाधीश वी. ईश्वरैया, ब्रह्माकुमारीज़ में यूरोप सेवाकेंद्रों की निदेशिका बीके जयंति, ज्यूरिस्ट विंग की राष्ट्रीय संयोजिका बीके पुष्पा, शांतिसरोवर की निदेशिका बीके कुलदीप समेत अनेक गणमान्य लोगों की उपस्थिति में किया गया। कॉन्फ्रेस में बीके पुष्पा ने सभी को इस विश्व विद्यालय का परिचय देते हुए इसके द्वारा की जा रही सेवाओं से अवगत कराया। अंत में बीके जयंति ने सभी को राजयोग का अभ्यास कराते हुए गहन शांति की अनुभूति कराई।

' एक शाम शिव पिता के नाम'

एक शाम शिव पिता के नाम कार्यक्रम के उद्घाटन समारोह में उपस्थित अतिथि।

शिव आमंत्रण, मुलुण्ड। वैसे तो परमात्मा के अवतरण का पर्व शिवरात्रि पूरे देश में धूमधाम से मनाया गया। लेकिन ब्रह्माकुमारीज संस्थान जीबी रोड मुलुण्ड पर आयोजित शिवरात्रि कुछ खास ही रही। इस कार्यक्रम में कई धर्मो के प्रतिनिधि शामिल हुए। कार्यक्रम में बुद्धिष्ट मोंक बंटे लामाजी ने कहा कि परमात्मा सबका एक है उसे स्वीकारना चाहिए। आर्य समाज के आचार्य सोमवीर ने भी विचारों से सहमति जताते हुए कहा कि यह सत्य है कि हम सब एक मालिक के बच्चे है इसलिए किसी प्रकार का भेद नहीं होना चाहिए।

गुरूनानक दरबार बीबी दविन्दरजीत कौर, जैन समाज के नरेन्द्र भाई जैन, मुलुण्ड सबजोन प्रभारी बीके गोदावरी, बीके हर्षा समेत कई लोगों ने अपने विचार व्यक्त किये। इसके पश्चात सभी ने ध्वजारोहण किया।

परमात्मा का सही परिचय न होने के कारण भटक रही हैं मनुष्य आत्माएं

शिव आमंत्रण, बेतूल। मध्यप्रदेश के बेतूल में महशिवरात्रि पर कार्यक्रम का आयोजन किया गया। शुभारंभ सतपुड़ा ताप विद्युत ग्रह सारणी के मुख्य अभियंता के.के जैन, केंद्रीय विद्यालय सारणी के प्राचार्य पी.वी. धोटे, स्टेट बैंक ऑफ इंडिया के सारणी शाखा के प्रबंधक ए.के स्वामी ने किया। सेवाकेंद्र की संचालिका बीके मंजु ने कहा कि स्वयं का तथा परमात्मा पिता का सही परिचय न होने के कारण सभी मनुष्य आत्माएं भटक रही हैं, साथ ही बुराईयों का त्याग कर सच्ची शिवरात्रि मनाने की बात उन्होने कही ।

विश्व के पहले थर्ड आई क्लिनिक का अहमदनगर में शुभारंभ

शिव आमंत्रण, अहमदनगर। महाराष्ट्र के अहमदनगर में मानिक चौक पर स्थित विश्व के पहले थर्ड आई क्लिनिक का शुभारंभ साई सूर्या नेत्र सेवा महाराष्ट्र नेत्रतज्ञ संघटना के अध्यक्ष डॉ. प्रकाश मराठे, सचिव डॉ. जिगनेश तशवाला, पूर्व अध्यक्ष डॉ. मधुसूदन झंवर, डॉ. सुधा कांकरिया, अहमदनगर सेवाकेंद्र प्रभारी बीके राजेश्वरी की उपस्थिति में सम्पन्न हुआ। शुभारंभ अवसर पर डॉ. सुधा कांकरिया ने बताया कि हम यहां रोगियों के स्थूल नेत्रों के साथ सूक्ष्म नेत्रों का इलाज करते हैं। माना बुद्धि के लिए अध्यात्मिक ज्ञान भी दिया जाता है इसलिए इस क्लिनिक का नाम थर्ड आई क्लिनिक रखा गया है। साथ ही डॉ. प्रकाश मराठे ने भी अपनी शुभकामनाएं व्यक्त की।

छत्तीसगढ़ के लोकायुक्त न्यायमूर्ति शम्भूनाथ श्रीवास्तव के विचार

शिव तत्व की उपासना से होगी सामाजिक सद्भावना...

शिव आमंत्रण, रायपुर। छत्तीसगढ़ राज्य के प्रमुख लोकायुक्त न्यायमूर्ति शम्भूनाथ श्रीवास्तव ने कहा कि भारत देश में सदियों से विभिन्न धर्म, सम्प्रदाय और संस्कृति के लोग एक साथ रहते आए हैं। सभी धर्मों में किसी न किसी रूप में शिव तत्व की उपासना की गई है। इसलिए शिव तत्व के आधार पर पूरे विश्व में शान्ति और सद्भावना पैदा हो सकती है। न्यायमूर्ति श्रीवास्तव प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय द्वारा चौबे कॉलोनी रायपुर में आयोजित सद्भावना समारोह में अपने विचार रख रहे थे। विषय था- परमात्मा शिव का सर्वमान्य और विश्व कल्याणकारी स्वरूप। उन्होंने आगे कहा कि अध्यात्मिक दृष्टि से समाज में शिव का बहुत महत्व है। हमारे देश में १८ पुराणों में से ६ पुराण शिव पर ही आधारित हैं। यह देश सैंकड़ों वर्षों तक गुलाम रहा लेकिन फिर भी जीवित है, इसमें अध्यात्म का बहुत बड़ा हाथ है। शिव में अपने मन को केन्द्रित करने से उनकी सारी शक्ति हममें प्रवाहित होने लगती है। पंडित रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. एस. के. पाण्डे ने कहा कि सामाजिक और धार्मिक विविधता ही इस देश की ताकत है। उन्होंने स्वयं को विज्ञान का विद्यार्थी बतलाते हुए कहा कि विज्ञान और खगोल दोनों का ही यह जानने का प्रयास रहता है कि ब्रह्माण्ड में हमारा अस्तित्व क्या है? समाज में समरसता फैलाना हमारा ही काम है। रास्ते अलग-अलग हो सकते हैं। खगोल विज्ञान भी यही बतलाता है कि हम सब एक हैं। वह भी समरसता सिखलाता है। विज्ञान और धर्म दोनों का उद्देश्य एक ही है। वह है-सत्य की खोज। सत्य ही शिव और कल्याणकारी है।

दीप प्रज्वलन कर कार्यक्रम का आगाज करते अतिथि।

ब्रह्माकुमारी संस्थान की क्षेत्रीय निदेशिका बीके कमला ने कहा कि हमारा देश त्यौहारों का देश है। लेकिन जब तक उन त्यौहारों का यथार्थ अर्थ न समझें उसका पूरा लाभ नहीं उठा सकते। अभी समाज में बहुत बदलाव आ चुका है। पहले लोग कहते थे कि हम रिश्वत नहीं लेंगे क्योंकि हम बाल बच्चे वाले आदमी हैं। किन्तु आज कहते हैं कि हम रिश्वत नहीं लेंगे तो कैसे चलेगा क्योंकि हम बाल बच्चे वाले जो हैं। वर्तमान समय लोगों का अपनी कर्मेन्द्रियों पर नियंत्रण नहीं रहा। यह अतिधर्म ग्लानि का समय है।

राजयोग शिक्षिका बीके ममता ने कहा कि यही समय है जबकि परमात्मा इस धरा पर आकर आध्यात्मिक ज्ञान और राजयोग की शिक्षा देकर नई दुनिया की पुनर्स्थापना का कार्य करते हैं। राजयोग के सतत अभ्यास से मन की वृत्तियां शुद्ध होती हैं तथा सभी को आत्मिक रूप में समान दृष्टि से देखने के परिणामस्वरूप समाज में सद्भावना की स्थापना होती है।

प्रकाशक एवं मुद्रक: ब्र.कु. करुणा द्वारा प्रकाशित एवं डीबी सॉल्यूशन्स जयपुर से मुद्रित। Posted at Shantivan P.O. Dt. 18 to 20 of Each Month

सलाहकार संपादक: प्रो. कमल दीक्षित **संपादक:** ब्र.कु. कोमल, **संयुक्त संपादक:** ब्र.कु. पुष्पेन्द्र। **आरएनआई नंबर: आरजेएचआईएन/ 2013/53539**

पत्र व्यवहार का पता

अंतर्राष्ट्रीय /राष्ट्रीय समाचार

बीके जानकी को महिला शक्ति का सम्मान

बाली में महिला शक्ति अवार्ड प्राप्त करतीं बीके जानकी।

शिव आमंत्रण, बाली (इंडोनेशिया)। समाज में महिलाओं के उत्थान और सशक्ति करण के लिए किये जा रहे सराहनीय कार्यों के लिए ब्रह्माकुमारीज संस्था इंडोनेशिया के बाली सेवाकेन्द्र की प्रभारी बीके जानकी को महिला शक्ति अवार्ड से नवाजा गया। यह अवार्ड इंडोनेशिया में भारत के वाईस जनरल कौंसल सुब्रता सरकार द्वारा दिया गया। समारोह में बड़ी संख्या में लोग उपस्थित थे।

भगत की चाली प्रोजेक्ट पहुंचा संयुक्त राष्ट्र में

संयुक्त राष्ट्र मे दिव्य नगरी प्रोजेक्ट सादर करती बीके इशिता।

शिव आमंत्रण, संयुक्त राष्ट्र। ब्रह्माकुमारीज संस्थान अहमदाबाद के नौरंगपुरा सेवाकेन्द्र भगत की चाली को दिव्य नगरी प्रोजेक्ट अब संयुक्त राष्ट्र में भी पहुंच गया। संयुक्त राष्ट्र संघ में अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस कमेंटी द्वारा आयोजित गरीबी उन्मूलन, और सामाजिक समावेश पर योग का प्रभाव विषय पर आयोजित कार्यक्रम में विश्व के कई देशों में संयुक्त राष्ट्र संघ के सदस्यों के साथ कई गैर सरकारी संस्थाओं के भी प्रतिनिधि शामिल हुए। जिसमें ब्रह्माकुमारीज संस्थान का प्रतिनिधित्व अहमदाबाद नौरंगपुरा सेवाकेन्द्र की बीके ईशिता ने किया। पूरे विश्व में आज भी गरीबी है जिसपर नियंत्रण नहीं पाया जा सका है। पिछले कुछ वर्षो में योग का प्रभाव बढ़ा है। जिससे संयुक्त राष्ट्र संघ ने अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस के रुप में मान्यता दी ताकि योग के प्रति लोगों का रुझान बढ़े। गरीबी को दूर करने तथा सामाजिक समावेश में योग का प्रभाव कैसे हो सकता है इसपर मंथन के लिए दुनिया के कई देशों के प्रतिनिधि एकत्रित हुए। इस सम्मेलन में संयुक्त राष्ट्र संघ में अन्तर्राष्ट्रीय योग के अध्यक्ष डेनिस कोटटो, अहमदाबाद दिव्य नगरी प्राजेक्ट की कार्यकारी अधिकारी बीके ईशिता, यूएनएसआरसी योग क्लब तथा यूनाईटेड डीईएसए के अध्यक्ष जर्मन ब्रेवो, भारत के संयुक्त राष्ट्र संघ में स्थाई आयोग अध्यक्ष ईनाम गम्भीर प्रतिदिन योग की संस्थापक डेनिस लीकुल समेत बड़ी संख्या में लोगों ने सहभागिता की। कार्यक्रम में बीके ईशिता ने कहा कि गरीबी उन्मूलन एवं सामाजिक समरसता में योग की महत्वपूर्ण भूमिका है। जिसका उदाहरण दिव्य नगरी प्रोजेक्ट है। पूरे विश्व से गरीबी को दूर किया जा सकता है इसके लिए आध्यात्मिकता और योग को जीवन का हिस्सा बनाया जाये।

लंदन में धूमधाम से मनी महाशिवरात्रि

शिवलिंग के साथ शंकर, पार्वती और श्री गणेश।

शिव आमंत्रण, लंदन। लंदन के लेस्टर सेवाकेंद्र पर महाशिवरात्रि के अवसर पर आयोजित प्रोग्राम में लेस्टर की सेंटर कॉर्डिनेटर बीके इंदू, बीके सुकांती ने शिवरात्रि पर्व के कई रहस्य व शिवलिंग पर बेर, अक, धतूरा दूध चढ़ाने से लेकर शिव-शंकर के अंतर को स्पष्ट किया। इसके साथ ही शिव की मंदिर में स्थापना के रहस्य से लेकर उसके दिव्य कर्तव्यों की भी पूरी जानकारी दी। बुराईयों को त्यागकर दैवी संस्कारों को धारण कर स्वर्ग में जाने के लायक हम कैसे बन सकते है यह बच्चों के सुंदर नाटक द्वारा प्रस्तुत किया गया वह लोगों ने बखूबी पसंद किया एवं शिवरात्रि के रहस्यों को अच्छे से समझकर कार्य म की प्रशंसा की। कार्यक्रम के अंत में शिवलिंग, शंकर, पार्वती और गणेश जी की सजी झांकियों का लोगों ने दर्शन कर स्वयं को भाग्यशाली महसूस किया।

मिलिपिटास में सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने जमाया रंग

दीप प्रज्वलन कर कार्यक्रम का उद्घाटन करते अतिथि।

शिव आमंत्रण, मिलिपिटास। यूं तो देश के कई हिस्सों में शिवरात्रि का पर्व बड़े स्तर पर व हर्षोल्लास के साथ मनाया गया लेकिन अमरिका के मिलिपिटास सेवाकेंद्र द्वारा महाशिवरात्रि अपने आप में अनोखी थी। इस मौके पर आयोजित इवेंट का शुभारंभ मेयर जोस स्टीव्स, एसेंब्ली मेंबर एश कालरा, मिलिपिटास के पुलिस कैप्टन - कैप्टन अरमांडो कोरपूज, कैप्टन डैरयल सिकौया, कैप्टन हैनरी कवॉन्ग, रेडियो जिंदगी के सीईओ प्रवीण सुगला, चाय विद मंजूला की अध्यक्षा मंजूला गुप्ता, राणा ग्रुप की अध्यक्षा गरीमा श्रीवास्तव, बीके कुसुम ने कैंडल जलाकर किया। वैसे तो आज सभी मनुष्य मंदिर, मस्जिद, गुरूद्वारे व चर्च में परमात्मा को ढूंढ रहे हैं लेकिन ब्रह्माकुमारीज संस्थान के सदस्य परमात्म मिलन का जश्न मनाते हैं। हर बार की तरह इस बार भी 81वी शिवजयंति भारत के साथ साथ विदेशों में भी धूम धाम से मनाई गई। और इस खुशी के मौके पर मिलिपिटास सेवाकेंद्र द्वारा कल्चरल इवेंट का भी आयोजन किया गया जिसमें गीत व संगीत के माध्यम से कलाकारों ने इवेंट की रौनक को बढ़ा दिया और भारतीय संगीत के माध्यम से भारत देश की महान संस्कृति का सम्मान किया। इस कार्य में सेवाकेंद्र से जुड़ी बीके नेहल और बीके वासु समेत अनेक सदस्यों ने सहभागिता की। इवेंट के दौरान बीके कुसुम ने बड़े ही सुंदर तरीके से परमात्मा शिव के निराकार होने तथा उस सर्वोच्च सत्ता के दिव्य अवतरण से संबंधित पूरी जानकारी दी। अंत में सेवाकेंद्र से जुड़े लोगों ने कॉमेंट्री द्वारा सभी को राजयोग का अभ्यास भी कराया। इस भव्य कार्य में बड़ी संख्या में लोगों ने सहभागिता की और खुशी मनाने के साथ साथ परमात्मा शिव का दिल से आभार व्यक्त किया जिनके माध्यम से विश्व परिवर्तन का कार्य तेजी से आगे बढ़ रहा है और पुनः सुख शांति का साम्राज्य स्थापित होने जा रहा है।

सूचना

सामाजिक सेवाओं तथा आन्तरिक सशक्तिकरण के प्रयास के साथ निकाला गया मासिक शिव आमंत्रण समाचार पत्र एक सम्पूर्ण अखबार है। जिससे आप सभी पाठकों का लगातार सहयोग मिल रहा है। यही हमारी ताकत है।

वार्षिक मूल्य	:	90 रूपये
तीन वर्ष	:	260 रूपये
आजीवन	:	2200 रूपये

पत्र व्यवहार का पता

संपादक: ब्र.कु. कोमल, ब्रह्माकुमारीज़ मीडिया एवं पब्लिक रिलेशन ऑफिस, शांतिवन-307510 आबू रोड- 307510, जिला-सिरोही, राजस्थान

मो.8769830661, 9413384884

Email: shivamantran@bkivv.org, bkkomal@gmail.com